(पौष माह) वर्ष-10, अंक 195, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज सोमवार 14 अक्टूबर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

ढोल-नगाड़ों पर थिरकीं महिलाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सनातन परंपरा की विशेषता है कि कोई भी शुभकार्य समाप्त नहीं होता, पुनः होने की उम्मीद के साथ संपन्न होता है। दुर्गा पूजा, छठ, गणपति उत्सव एक बार संपन्न होते ही अगले वर्ष के लिए मन तैयार हो जाता है। सनातन परंपरा की विशेषता है कि कोई भी शुभकार्य समाप्त नहीं होता, पुनः होने की उम्मीद के साथ संपन्न होता है। दुर्गा पूजा, छठ, गणपति उत्सव एक बार संपन्न होते ही अगले वर्ष के लिए मन तैयार हो जाता है। मान्यता है कि मां दुर्गा नवरात्र के दौरान मायके आती हैं और 10 दिन रुकने के बाद फिर वापस ससुराल जाती हैं। मां के रुकने के उपलक्ष्य में दुर्गा पूजा का उत्सव मनाया जाता है।आश्चे बोछोर आबर होबे... अर्थात ससुराल को विदाई देते हुए दोबारा जल्दी आना का उद्घोष बंगाली समुदाय के पंडालों में गूंज उठा। मंगलवार को भेलूपुर से लेकर दशाश्वमेध तक बंगाली समुदाय ने मां जगदंबा को भीगी पलकों के साथ विदाई दी। बैंड बाजे की धुन पर थिरकती हुए महिलाओं ने सिंदूर खेला की रस्म भी निभाई और जब विदाई का मौका आया तो आंखें भी छलक उठीं। दशमी तिथि पर प्रयागराज के कटरा, राजरूपपुर, सिविल लाइंस, चौक, टैगोर टाउन, अशोक नगर, ममफोर्डगंज आदि इलाकों में पंडालों में मां जगदंबा की विधि-विधान से विदाई की गई। शाम ढलते ही बंगाली पंडालों की रौनक देखते ही बन रही थी। महिलाएं कतारबद्ध होकर माता को सिंदूर अर्पित कर रहीं थीं और एक दूसरे को सिंदूर लगा रही थीं। कई पंडालों में तो सिंदूर की होली ऐसी खेली गई कि हर चेहरे पर माता के सिंदूर की लालिता बिखरी नजर आ रही थी। सिंदूर खेला की समाप्ति के बाद मां को विदाई दी गई। मां का विसर्जन कर उनसे जल्दी दोबारा वापस आने की प्रार्थना की गई। मंगलवार को दोपहर के बाद से ही पंडालों में विदाई की रस्में शुरू हो गईं। पहले सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को पान के पत्ते से सिंदूर चढ़ाया और मिठाई खिलाई। इसके बाद सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाना शुरू किया। पूरा पंडाल सिंदूरी रंगत में रंगा नजर आ रहा था। इसके बाद धुनुची नृत्य के साथ माता को विदाई दी गई और बोरन की प्रथा भी निभाई गई। सनातन परंपरा की विशेषता है कि कोई भी शुभकार्य समाप्त नहीं होता, पुनः होने की उम्मीद के साथ संपन्न होता है। दुर्गा पूजा, छठ, गणपति उत्सव एक बार संपन्न होते ही अगले वर्ष के लिए मन तैयार हो जाता है। मान्यता है कि मां दुर्गा नवरात्र के दौरान मायके आती हैं और 10 दिन रुकने के बाद फिर वापस ससुराल जाती हैं। मां के रुकने के उपलक्ष्य में दुर्गा पूजा का उत्सव मनाया जाता है।

रावण का पुतला जलते ही जय श्रीराम के जयकारों से गुंजायमान हो गया नगर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य के जीत का पर्व विजयादशमी जिले शनिवार को धूमधाम से मनाई गई। रावण का पुतला जलते ही पूरा क्षेत्र जयश्री राम के नारों से गूंज उठा। दशहरा मेले पर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम रहें। जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज के रामलीला मैदान में दशहरे पर रावण वध की लीला का मंचन किया गया। रथ पर सवार होकर भगवान श्रीराम और रावण के बीच युद्ध की शुरूआत हुई। राम और रावण के बीच युद्ध का मंचन लगभग एक घंटे चला। राम के बाण छोड़ने पर बुराई रूपी रावण का पुतला धू धू कर जल गया। रावण के वध के बाद भगवान श्रीराम ने अपने वचन के अनुसार विभीषण को लंका का राज्य सौंप दिया। वहीं रामलीला मंच पर रात्रि मंच पर 8 बजे से भरत मिलाप और श्री रामराज्याभिषेक की दिव्य लीला का मंचन किया गया। जिसे देखकर वहां उपस्थित रामलीला प्रेमी मंत्रमुक्ध होगाए और राजा राम के जयकारे लगाने लगे।इस अवसर पर सदर भूपेश चौबे, भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, आरएसएस के जिला संचालक हर्ष अग्रवाल, पूर्व बीजेपी अध्यक्ष धर्मवीर तिवारी, रामलीला समिति के अध्यक्ष पवन कुमार जैन, संरक्षक जितेंद्र सिंह, महामंत्री सुशील पाठक, कोषाध्यष रावेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, रमेश जायसवाल, प्रशांत जैन, रविन्द्र केशरी, हर्ष केशरी, आनंद मिश्रा, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

(वरिष्ठ आई.पी.एस.) श्री अविनाश चन्द्रा
महानिदेशक
अग्निशमन सुरक्षा एवं आपात सेवा उत्तर प्रदेश

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

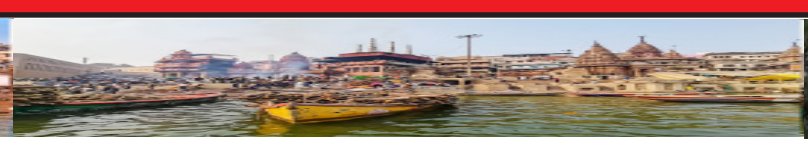

महिलाओं को पुलिस ने किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

फूलपुर। शनिवार को मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत कमिश्नरेट प्रयागराज, गंगानगर जोन के थाना फूलपुर की मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं को महिला सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना , विधवा पेंशन योजना, उज्जवला योजना, कौशल विकास योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधित आयुष्मान योजना आदि के साथ साथ विभिन्न हेल्पलाइन नद- वूमेन पॉवर लाइन 1090, यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे में जागरूक किया गया जिसमें उ0नि0 उपमा ,उ0नि0 विभा सिंह, उ0नि0 काजल पटेल शामिल रहीं।

बुराई पर अच्छाई की जीत विजयदशमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

फूलपुर। बुराई पर अच्छाई की जीत विजयदशमी पर्व हर्षोल्लास पूर्ण मनाया गया। ब्राह्मण कुल में जन्मे रावण को बहुत ज्ञान था परंतु उसके घमंड ने उसे कहीं का ना छोड़ा। मां सीता का अपहरण करना रावण को भारी पड़ा। भगवान श्री राम से पंगा लेना उस घमंडी को भारी पड़ा, स्वयं तो भगवान के हाथों मारा ही गया उसकी सोने की लंका भी जलाकर राख कर डाली गई। इसी को याद कर विजयदशमी पर्व मनाया जाता है। असत्य पर सत्य अधर्म पर धर्म बुराई पर अच्छाई का पर्व विजयदशमी उल्लास पूर्ण वातावरण में गांव-गांव मनाई गई। फूलपुर कोड़ापुर मैलहन बहरिया आदि गांवों में राम जन्म श्रीलंका दहन रावण वध की रामलीला का मंचन कर विजयदशमी का मेला लगा। जिसमें राम रावण का युद्ध एक बार पुनः दिखाया गया। तत्पश्चात रावण का पुतला दहन किया गया। मैलहन में मेला के बाद रावण का पुतला कमेटी के अध्यक्ष घनश्याम दुबे शिवाजी दुबे श्री प्रकाश दुबे उमाकांत दुबे श्याम जी दुबे रोहित सियाराम मिश्रा हिमांशु दुबे पप्पू दुबे रामजी दुबे आदि के मौजूदगी में पुतला दहन तथा मेला संपन्न कराया गया।

पुल से नीचे गिरे दो युवक, एक की मौत, दूसरे की हालत गंभीर; खाली सड़क पर लगा रहे थे रेस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पुराना पुल चौकी की पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के साथ ही गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। वहीं, युवक की मौत की सूचना पाते ही परिजनों में कोहराम मच गया।सारनाथ के पुरानापुल चौकी अंतर्गत नाले पर बने पुलिया से टकराकर बाइक सवार नाले में गिर गए, जिससे मौके पर ही एक युवक की मौत हो गई तो दूसरा युवक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा तो वहीं घायल को पंडित दीनदयाल अस्पताल उपचार के लिए भेजा बीती रात लगभग 2:30 बजे आशापुर की तरफ पुरानापुल की ओर तीन से चार बाइक पर 6 से 7 युवक आपस में तेज गति से रेस लगा रहे थे। इसी दौरान पल्सर सवार एक युवक पुराना पुल चौकी से लगभग 200 मीटर पहले बाईं ओर बने पुलिया से टकरा गया।हादसे में बाइक के साथ दोनों युवक लगभग 10 फीट गहरे नाले में जा गिरे, जिससे बाइक चला रहा सूर्या चौहान (21) पिता राजन निवासी बजरडीहा थाना भेलूपुर की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक पर बैठे दूसरे युवक मक्खन (19) निवासी रामलीला मैदान खोजवां (भेलूपुर) गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय लोगों के मदद से पुलिस ने पंडित दीनदयाल अस्पताल उपचार के लिए भेजा थाना प्रभारी परमहंस गुप्ता ने बताया कि रात लगभग 2:30 बजे तीन से चार मोटरसाइकिल पर युवक आपस में रेस लगा रहे थे। इसी बीच, एक बाइक गहरे नाले में गिर गई, जिससे मौके पर एक युवक की मौत हो गई। शव को कब्जे में लेकर मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया था।

अज्ञात युवक का शव सड़क किनारे मिला, हड़कंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

फूलपुर। थाना अंतर्गत चिरौड़ा गांव के सामने सड़क किनारे बीती रात 10 बजे सड़क किनारे अज्ञात व्यक्ति का शव देख हड़कंप मच गया। आशंका की गई कि किसी ने हत्या कर शव सड़क किनारे ठिकाने लगा दिया। देखते-देखते ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना इफको चौकी इंचार्ज को मिली तो वह फोर्स सहित पहुंचे और एंबुलेंस द्वारा उसे सीएचसी फूलपुर ले गए। परंतु उसकी मौत हो चुकी थी। इस बीच जुटी भीड़ द्वारा उक्त युवक की शिनाखत नहीं हो पाई। चौकी इंचार्ज ने बताया कि किसी ने इसे मारकर शव को सड़क के किनारे फेंक दिया अथवा एक्सीडेंट में मारा गया, यह तो पीएम में ही पता चल सकेगा। पुलिस द्वारा आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव पीएम हेतु भेज दिया गया।

देवी मां की विदाई से पहले सिंदूर खेला रीति-रिवाज से संपन्न हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। देवी मां की विदाई से पहले पारंपरिक तरीके से महिलाओं ने एक-दूसरे को त्योहार की बधाई दी।वाराणसी के चेतसिंह घाट पर रविवार की सुबह धुनुची सहित सिंदूर खेला का भव्य आयोजन हुआ। इस दौरान महिलाओं ने पारंपरिक तरीके से एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर त्योहार की बधाई दी। वहीं, भेलूपुर स्थित जिम स्पोर्टिंग क्लब में बंग समाज की महिलाओं ने भी सिंदूर खेला किया। मां दुर्गा को सिंदूर अर्पित करके विदाई दी गई।

इस जिले में हुई मूर्ति की स्थापना, दशानन को मानते हैं अपना पूर्वज; विधि-विधान से हुआ पूजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । सोनभद्र के जामपानी गांव में विधि-विधान से कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन के लोगों ने रावण की मूर्ति स्थापित करवाई। साथ ही पूजन-अर्जन भी किया।असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक पर्व दशहरा के अवसर पर गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन के तत्वावधान शनिवार को जामपानी गांव में रावण के मूर्ति की स्थापना कर विधि विधान से पूजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में रावण को अपना पूर्वज मानने वाले लोग जमा हुए। म्योरपुर थाना क्षेत्र के जामपानी गांव के बड़ा देवस्थल स्थित विया पहाड़ी पर विशालकाय रावण की मूर्ति की स्थापना कर विधि विधान से शनिवार को पूजा की गई। इसको लेकर रावण को अपना पूर्वज बताने वाले लोग जमा हुए। पूरे उल्लास के साथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में मूर्ति स्थापना के साथ ही विधि-विधान से पूजा पाठ किया गया। पूजा-पाठ में कई गांव के लोग जमा हुए। इस मौके पर लोगों में प्रसाद का विवरण किया गया। इसी तरह से पूजा का कार्यक्रम रासपहरी, बभनडीहा आदि स्थानों पर किया गया। कार्यक्रम के दौरान जवाहर मरकाम, धर्मजीत, मोतीलाल, रामकिशुन, रामनाथ, रामस्वरूप, श्रीकिशन, सुनील, रामप्यारे, देवधारी, राजकुमार, पूरन सिंह, रंजीत, सुनील मरावी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मूर्ति विसर्जन के दौरान डीजे पर नाच रहे थे सब, हाईटेंशन लाइन की करंट की चपेट में आने से आधा दर्जन झुलसे, दो की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सूचना पाकर मौके पर एएसपी पश्चिमी संजय राय और एसडीएम कुंडा भरत राम भी पहुंच गए। यूपी के प्रतापगढ़ स्थित महेशगंज थाना क्षेत्र के शिवगढ़तूरी मजरे मछेहा हरदोपट्टी में शनिवार को मूर्ति विसर्जन के दौरान डीजे में एचटी लाइन का तार स्पर्श कर गया। जिससे करीब आधा दर्जन से अधिक व्यक्ति गम्भीर रूप से झुलस गए और दो व्यक्तियों की मौत हो गई है। सूचना पाकर मौके पर एएसपी पश्चिमी संजय राय और एसडीएम कुंडा भरत राम भी पहुंच गए। घायलों में सुनील कुमार गौतम (35 वर्ष) घीशन, गाजी सरोज (55 वर्ष) पुत्र राम सजीवन तथा दिवाकर (19 वर्ष) पुत्र विजय निवासीगण शिवगढ़ तूरी मज़रे मछेहाहरदोपट्टी का इलाज चल रहा है।

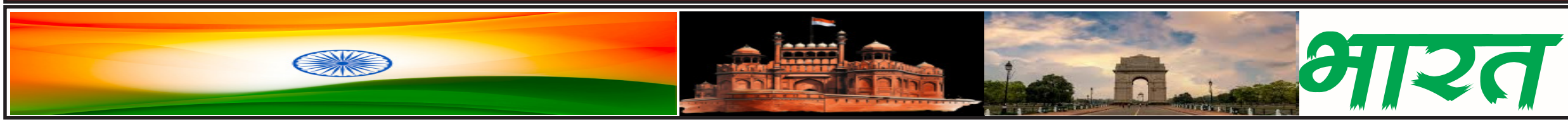

संक्षिप्त समाचार

सबसे ज्यादा संपत्ति पाने वाले व्यक्ति बने गौतम अदाणी, टॉप-3 में हैं ये उद्योगपति

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। गौतम अदाणी की कुल संपत्ति बढ़कर 116 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई - जो पिछले साल की तुलना में 48 बिलियन अमेरिकी डॉलर ज्यादा है और किसी भी भारतीय की तरफ से एक साल में सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही, फोर्ब्स की तरफ से उनकी कुल संपत्ति का मूल्यांकन

अब 116 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। फोर्ब्स इंडिया रिच लिस्ट 2024 के अनुसार, अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी सबसे ज्यादा संपत्ति पाने वाले व्यक्ति बने हैं। बता दें कि गौतम अदाणी की संपत्ति में हुई बढ़ोत्तरी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी और ओपी जिंदल समूह की मानद चेयरपर्सन सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति में हुई बढ़ोत्तरी से भी ज्यादा है - जो इस सूची में शीर्ष तीन नाम हैं।गौतम अदाणी की कुल संपत्ति बढ़कर 116 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई - जो पिछले साल की तुलना में 48 बिलियन अमेरिकी डॉलर ज्यादा है और किसी भी भारतीय की तरफ से एक साल में सबसे ज्यादा है। इसके साथ ही, फोर्ब्स की तरफ से उनकी कुल संपत्ति का मूल्यांकन अब 116 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।फोर्ब्स की सूची के अनुसार, दूसरे सबसे ज्यादा लाभ पाने वाले व्यक्ति मुकेश अंबानी रहे हैं। उन्होंने 2024 के दौरान 27.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बढ़ोत्तरी की, जिससे उनकी कुल संपत्ति 119.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई हैं। इससे उन्हें फोर्ब्स के अनुसार शीर्ष स्थान बनाए रखने में मदद मिली, हालांकि अदाणी के साथ बढ़त में काफी गिरावट आई है और वे केवल 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर आ गए हैं इस कड़ी में तीसरी नंबर पर मौजूद, सावित्री जिंदल ने 19.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति हासिल करके शिव नादर (फोर्ब्स के अनुसार 2023 में तीसरे सबसे अमीर भारतीय) को पीछे छोड़ दिया। सावित्री जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला हैं और हिसार से विधायक हैं।

दशहरा रैली से दोनों शिवसेना ने फूंका चुनावी बिगुल, शिवाजी और 2022 की बगावत पर खूब चले जुबानी तीर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र चुनाव से कुछ हफ्ते पहले हुईं इन रैलियों से आगामी विधानसभा चुनाव में क्या मुद्दे अहम रहेंगे और किनकी चर्चा सुनाई देगी, उनका अंदाजा हो गया। शनिवार को मुंबई में आयोजित हुईं दो दशहरा रैलियों पर सभी की निगाहें रहीं। दरअसल ये रैलियां सत्ताधारी शिवसेना और विपक्षी शिवसेना यूबीटी की थीं, जिन्हें क्रमशः सीएम एकनाथ शिंदे और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने संबोधित किया। महाराष्ट्र चुनाव से कुछ हफ्ते पहले हुईं इन रैलियों से आगामी विधानसभा चुनाव में क्या मुद्दे अहम रहेंगे और किनकी चर्चा सुनाई देगी, उनका अंदाजा हो गया। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुंबई पार्क में आयोजित हुई दशहरा रैली में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना पर धोखा देने का आरोप लगाया और शिंदे की शिवसेना को नकली शिवसेना करार दिया। रैली के दौरान उद्धव ने स्क्रीन पर अपने 2019 में सीएम पद की शपथ लेने के वीडियो को भी चलाया और अपने विरोधियों को चेतावनी दी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि एक बार स्वर्गीय रतन टाटा ने मुझसे कहा था कि जेआरडी टाटा ने उन पर विश्वास करके उन्हें टाटा ग्रुप की विरासत सौंपी थी। ऐसे ही बालासाहब ने आपको चुना है क्योंकि उन्होंने आपको विश्वासपात्र माना। उद्धव ने भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा और कहा कि भाजपा को अपने आप को भारतीय कहने में भी शर्म आनी चाहिए। उन्होंने भाजपा की तुलना कौरवों से की और उन पर अहंकारी होने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने का मुद्दा भी उठाया और कहा कि 'महायुति सरकार ने सिर्फ वोटों के लिए शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगवाई, लेकिन वो प्रतिमा गिर गई। हम जब सत्ता में आएंगे तो हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज के मंदिर बनवाएंगे। शिवाजी महाराज हमारे लिए भगवान हैं और हम उनके मंदिर बनवाएंगे। वहीं उनके (महायुति) लिए शिवाजी महाराज वोटबैंक हैं।वहीं आजाद मैदान में आयोजित हुई शिवसेना की रैली में सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि अगर उन्होंने बगावत न की होती तो सच्चे शिवसैनिक कुचल दिए जाते।

सुप्रिम कोर्ट की रिटायर्ड जज हिमा कोहली ने बताई एआई की भूमिका, कहा- कोविड के दौरान न्यायपालिका को मिली मदद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रिटायर्ड जस्टिस हिमा कोहली ने कहा कि तकनीक के जरिये कोविड के दौरान न्यायपालिका की एआई ने वर्चुअल सुनवाई में काफी मदद की। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका के लिए एआई की बेहद सकारात्मक भूमिका है। सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश हिमा कोहली ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और सोशल मीडिया की न्यायपालिका में भूमिका पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि तकनीक के जरिये कोविड के दौरान न्यायपालिका की एआई ने वर्चुअल सुनवाई में काफी मदद की। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका के लिए एआई की बेहद सकारात्मक भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारत उन कुछ न्यायालयों में से एक था, जो कोविड के दौरान भी वर्चुअल रूप से सुनवाई कर रहा था। उन्होंने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट में जब एआई के जरिये पीडीएफ फाइलें और कागज रहित अदालतें शुरू की गईं तो वे केवल कराधान और मध्यस्थता के मामलों तक सीमित थीं। कोविड के दौरान जब हमारे पास वर्चुअल काम करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था तो एआई से काफी मदद मिली।उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान जब सब कुछ बंद था तो वर्चुअल कोर्ट ने काफी प्रभाव डाला। इस दौरान अदालत के दरवाजे सबके लिए खुले हुए थे। उन्होंने कहा कि इस दौरान न्यायालय के कर्मचारियों ने भी न्यायाधीशों की काफी मदद की। वह इसलिए रातभर काम करते थे ताकि न्यायिक अधिकारियों को समय पर फाइलें मिल जाएं।रिटायर्ड जज हिमा कोहली ने कहा कि जैसे-जैसे हम वर्चुअल सुनवाई के आदी हुए तो हाइब्रिड मोड में आ गए। इसने महिला वादियों और महिला वकीलों के लिए शानदार काम किया। इसके जरिये वह घर से अदालत की सुनवाई में भाग ले सकती थीं। सोशल मीडिया ट्रोलिंग को लेकर उन्होंने कहा कि यह सिस्टम का एक हिस्सा है।

भागवत के भाषण पर कांग्रेस का पलटवार, कहा- देश को एक समान बनाना चाहता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। कांग्रेस के मीडिया और संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि आरएसएस प्रमुख काफी भ्रमित नजर आ रहे हैं। उन्होंने पूछा कि क्या वह देश में विविधता के पक्ष में हैं या इसके विरोध में हैं। खेड़ा ने आगे कहा, चाहे वह इसका विरोध कर रहे हों या समर्थन कर रहे हों, यहां विविधता है।कांग्रेस ने शनिवार को मोहन भागवत के वार्षिक विजयदशमी संबोधन के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना की। विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया कि यह संगठन देश को एकसमान बनाना चाहता है। कांग्रेस यह भी कहा कि आरएसएस अपने मंसूबों को कभी सफल नहीं होगा। नागपुर में आरएसएस की विजयदशमी रैली को संबोधित करते हुए भागवत ने सांस्कतिक मार्क्सवादियों की आलोचना की और उन पर शिक्षा और संस्कृति को नुकसान पहुंचाने, संघर्ष को बढ़ावा देने और समाज के ताने-बाने को तोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत की पिछले कुछ वर्षों में विश्वसनीयता बढी है। साथ ही यह दुनिया में अधिक मजूबत और सम्मानित हुआ है।

क्या लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से हैं बाबा सिद्दीकी के हमलावर हत्याकांड में चौंकाने वाला खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विपक्ष ने चौंका देने वाली इस घटना के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े गए। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने है। चुनाव आयोग जल्द ही इनकी तारीखों का एलान कर सकता है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा किया गया है। दावा किया जा रहा है कि मामले में गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े हैं। हालांकि, इसका सूत्रों के हवाले से इसका दावा कई मीडिया रिपोर्ट्स में किया जा रहा है, लेकिन इस हमले की जिम्मेदारी अब तक गैंग की ओर से नहीं ली गई है। मुंबई पुलिस की गिरफ्त दोनों आरोपियों की पहचान करनैल सिंह और धर्मराज कश्यप के रूप में हुइ है। करनैल उत्तर प्रदेश का रहने वाला है और धर्मराज हरियाणा का बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुद को बिश्नोई गैंग का बताया। आरोपी पिछले 25-30 दिन वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। वे पूरे इलाके की रेकी कर रहे थे। तीनों आरोपी ऑटो रिक्शा से बांद्रा ईस्ट पहुंचे थे। तीनों आरोपियों ने कुछ समय वहीं बिताया और बाबा सिद्दीकी के आने का इंतजार करते रहे। इसके बाद उन्होंने बाबा सिद्दीकी को निशाना बनाया और गोली चलाई। दावा किया जा रहा है कि आरोपी किसी और के इशारे पर काम रहे थे। उन्हें उसके ही जरिए इनपुट मिल रहे थे। अंदरूनी जानकारी के जरिए वह शख्स आरोपियों को योजना के तहत काम करने के लिए रास्ता दिखा रहा था। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात मुंबई के बांद्रा ईस्ट इलाके में हत्या कर दी गई। उन पर तीन लोगों ने गोलियां चलाईं। वारदात को निर्मल नगर में कोलगेट मैदान के पास बाबा सिद्दीकी के बेटे और विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर अंजाम दिया गया। घटना के तुरंत बाद दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। कांग्रेस के पूर्व नेता सिद्दीकी (66) को लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई। बाबा सिद्दीकी ने विधानसभा में तीन बार बांद्रा (पश्चिम) सीट का प्रतिनिधित्व किया था। मुंबई के एक प्रमुख मुस्लिम नेता सिद्दीकी को कई बॉलीवुड सितारों के करीबी के रूप में भी जाना जाता था। विपक्ष ने चौंका देने वाली इस घटना के बाद राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े गए। राज्य में जल्द ही विधानसभा चुनाव होने है।

आतंकवादियों की पार्टी' वाला बयान कांग्रेस का अपना प्रतिबिंब, सुधांशु त्रिवेदी का खरगे पर पलटवार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि तीन तलाक, हलाला और हिजाब जैसी रूढ़िवादी इस्लामी प्रथाओं का हमेशा समर्थन करने वाली कांग्रेस, अब हिंदू समाज के बारे में सभी प्रकार की आधारहीन टिप्पणियां कर रही है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए शहरी नक्सली मानसिकता का डिजाइन है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के 'आतंकवादियों की पार्टी' वाले बयान पर शनिवार को पलटवार किया। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हमेशा आतंकवादियों का समर्थन करने वाली विपक्षी पार्टी अब बीजेपी पर आरोप लगा रही है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि तीन तलाक, हलाला और हिजाब जैसी रूढ़िवादी इस्लामी प्रथाओं का हमेशा समर्थन करने वाली कांग्रेस, अब हिंदू समाज के बारे में सभी प्रकार की आधारहीन टिप्पणियां कर रही है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए शहरी नक्सली मानसिकता का डिजाइन है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया बयान- विपक्षी पार्टी 'शहरी नक्सलियों के गिरोह' द्वारा चलाई जा रही है, के जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पलटवार किया था। खरगे ने भाजपा को 'आतंकवादियों की पार्टी' कहा था। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दावा किया कि खरगे के बयान ने अपनी ही पार्टी के बारे में उनके विचारों को दर्शाया है, क्योंकि यह कांग्रेस ही है, जिसने हमेशा आतंकवादियों का समर्थन किया है। एक अन्य केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दावा किया कि खरगे ने गलती से भाजपा को आतंकवादियों की पार्टी कह दिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'वह सोनिया गांधी थीं, जिन्होंने बाटला हाउस में मारे गए आतंकवादियों के लिए आंसू बहाए थे। यह कांग्रेस थी जो अफजल गुरु पर नरम हो गई थी। यह कांग्रेस ही थी, जिसने 2004 में पोटा को रद्द कर दिया था।

देश के 19 एम्स में एक साथ पढ़ाई करेंगे मेडिकल छात्र, केंद्र का फैसला- अन्य केंद्रीय अस्पताल भी जुड़ेंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार ने एक आदेश में कहा है कि छह सदस्यीय समिति की सिफारिश के आधार पर स्मार्ट क्लासरूम की तरह चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके तहत दिल्ली एम्स नोडल केंद्र रहेगा जो ई लर्निंग से जुड़ी पाठ्य सामग्री को एकत्रित करेगा। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों को अब एक ही समय पर देश के 19 एम्स में एक साथ पढ़ाई का मौका मिलेगा। केंद्र सरकार ने एम्स के साथ-साथ सभी केंद्रीय चिकित्सा संस्थानों को मिलाकर नेटवर्क स्थापित किया है, जिसके तहत 3डी एनिमेशन से चिकित्सा छात्रों को मरीजों की बीमारियों और मानव शरीर की रचना से रूबरू होने का मौका मिलेगा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार ने एक आदेश में कहा है कि छह सदस्यीय समिति की सिफारिश के आधार पर स्मार्ट क्लासरूम की तरह चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके तहत दिल्ली एम्स नोडल केंद्र रहेगा जो ई लर्निंग से जुड़ी पाठ्य सामग्री को एकत्रित करेगा। दिनेश कुमार ने बताया कि सरकार की यह पहल देश के 19 एम्स के साथ साथ चंडीगढ़ पीजीआई, बंगलूरू स्थित निम्हांस, पांडिचेरी स्थित जेआईपीएमईआर, दिल्ली के सफदरजंग, आरएमएल और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के अलावा पूर्वोत्तर राज्यों में स्थित केंद्रीय चिकित्सा संस्थान सहित कुल 50 अस्पतालों पर लागू होगी। अभी देश में कुल एम्स की संख्या 22 है जिनमें से छह पूरी तरह से कार्यरत हैं और 12 एम्स में पढ़ाई के साथ ओपीडी चल रही है। वहीं एक मदुरै एम्स में एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू हुई है। इस तरह 22 में से 19 एम्स पर यह फैसला अभी लागू रहेगा।मंत्रालय ने बताया कि विश्व स्तरीय चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए काफी समय से बदलाव की चर्चा चल रही है। हाल ही में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग ने चिकित्सा के पाठ्यक्रम में बदलाव भी किया है। ऐसे में सरकार ने संयुक्त सचिव पुष्पेंद्र राजपूत की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जिन्होंने इस साल अलग अलग बैठक के बाद करीब 80 पन्नों की सिफारिश सौंपी है। इसमें पाठ्य सामग्री को डिजिटल करने व एक साथ सभी केंद्रीय अस्पतालों में उसे पढ़ाया जाना शामिल है, जिसमें 3डी एनिमेशन व एआई का भी उपयोग होगा। अगले दो से तीन वर्ष में देश के सभी 50 केंद्रीय चिकित्सा संस्थानों में यह तकनीक विकसित होगी और सभी एक दूसरे से जुड़ जाएगें।

जरूरी टीके लगवाएं, अनावश्यक एंटीबायोटिक से करें परहेज; टाली जा सकती हैं असमय मौतें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी नई रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा है कि वैक्सीन में अधिक निवेश से रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेन्स (एएमआर) के कारण होने वाली मौतों को टाला जा सकता है। इसलिए लोगों को सलाह दी गई है कि देश में उपलब्ध टीकों का बेहतर इस्तेमाल करें और मौजूदा सरकारें इस दिशा में सक्रिय कार्रवाई करें। रोगाणुरोधी प्रतिरोध की समस्या से निपटने में वैक्सीन (टीकों) की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। इनकी मदद से संक्रमण की रोकथाम मुमकिन है और एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग में कमी लाई जा सकती है। साथ ही इन दवाओं को बेअसर करने वाले रोगाणुओं के उभरने व फैलने की गति को धीमा किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी नई रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा है कि वैक्सीन में अधिक निवेश से रोगाणुरोधी प्रतिरोध यानी एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेन्स (एएमआर) के कारण होने वाली मौतों को टाला जा सकता है। इसलिए लोगों को सलाह दी गई है कि देश में उपलब्ध टीकों का बेहतर इस्तेमाल करें और मौजूदा सरकारें इस दिशा में सक्रिय कार्रवाई करें।रिपोर्ट के अनुसार, वैक्सीन के बेहतर उपयोग से एंटीबायोटिक प्रतिरोधी संक्रमणों के उपचार पर बढ़ते खर्च को भी सीमित किया जा सकेगा। इनके उपयोग से एंटीबायोटिक दवाओं के बढ़ते इस्तेमाल में 22 फीसदी तक कमी की जा सकती है। यानी इनकी मदद से लोगों की जानें बचाने के साथ-साथ आर्थिक संसाधनों की भी बचत होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 24 रोगाणुओं से निपटने में वैक्सीन मददगार है। कुछ वैक्सीन जो पहले ही उपलब्ध हैं, उनके उपयोग को बढ़ावा देने के साथ नई वैक्सीन के विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। टीकों में निवेश और उनके उपयोग को बढ़ावा देने से सालाना एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग में 250 करोड़ खुराकों की कमी की जा सकेगी। न्यूमोकॉकस, न्यूमोनिया, हेमोफिलुस इन्फ्लुएंजा टाइप बी से बचाव के लिए पहले ही टीके उपलब्ध हैं। यह रोगजनक न्यूमोनिया, टाइफाइड, मेनिनजाइटिस जैसी कई बीमारियों के लिए जिम्मेदार हैं। अगर लोग समय पर टीक लगवाएं तो इनके जरिये असमय होने वाली 1,06,000 मौतों को टालने में मदद मिल सकती है, जबकि टीबी और क्लेबसिएला न्यूमोनिया के टीकों से 5,43,000 जिंदगियों को बचाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, बहुत से टीके पहले ही उपलब्ध हैं।

हत्याकांड की चौतरफा निंदा, खरगे-पवार, ओवैसी समेत कई नेता बोले- निष्पक्ष जांच हो

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अपराधियों ने एनसीपी नेता बाबा सिद्दकी को मुंबई में तीन गोलियों से भून डाला। इस नृशंस हत्या की वारदात की चौतरफा निंदा की जा रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि इस मामले में पारदर्शी जांच होनी चाहिए। जानिए सियासी दलों की प्रतिक्रियाएं महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद कहा कि दो कथित शूटरों को हिरासत में लिया गया है। उनमें से एक उत्तर प्रदेश और दूसरा हरियाणा से है। तीसरा आरोपी मौके से भाग गया। सीएम शिंदे ने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोई भी कानून व्यवस्था को अपने हाथ में नहीं ले सकता। मुंबई पुलिस को निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम को मुंबई के बांद्रा पूर्व स्थित निर्मल नगर में कोलगेट ग्राउंड के पास बाबा सिद्दीकी पर उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के दफ्तर के बाहर गोलीबारी हुई।बाबा सिद्दीकी की ऑफिस से निकलते समय गोली मारकर हत्या के मामले में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस मामले में न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बांद्रा इलाके में हुई हत्या के मामले में सरकार को पारदर्शी तरीके से जांच के आदेश देने चाहिए। इस मामले में सीएम एकनाथ शिंदे कह चुके हैं कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मुंबई पुलिस ने कहा है कि इस मामले में सुपारी किलिंग के एंगल से भी जांच की जा रही है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में हुई हत्या को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि राज्य की ध्वस्त कानून व्यवस्था चिंता का विषय है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पूर्व राज्य मंत्री की गोली मारकर हत्या करना दुखद है। अगर गृह मंत्री और शासक राज्य की गाड़ी को इतनी नरमी से आगे बढ़ाएंगे, तो यह आम लोगों के लिए खतरे की घंटी हो सकती है। उन्होंने कहा कि बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की न केवल जांच की जरूरत है, बल्कि जिम्मेदारी स्वीकार करने और शासकों के पद से हटने की भी जरूरत है। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। ओवैसी ने कहा कि बाबा सिद्दीकी की हत्या बेहद निंदनीय है। यह महाराष्ट्र में कानून और व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और सहकर्मियों के साथ हैं। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने राज्य सरकार पर हमला बोला। उन्होंने बाबा सिद्दीकी की हत्या को एक दुर्भाग्य घटना बताते हुए कहा कि यह महाराष्ट्र सरकार द्वारा अपराधियों को दिए जाने वाले समर्थन का नतीजा है। उन्होंने कहा कि इससे साफ है कि बाबा सिद्दीकी जैसा व्यक्ति भी महाराष्ट्र में सुरक्षित नहीं है। शिवसेना नेता कृष्णा हेगड़े ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की निंदा की। उन्होंने कहा कि मैं बाबा सिद्दीकी को पिछले 35 साल से जानता हूं। उनके साथ जो हुआ, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि मुंबई में कानून-व्यवस्था का कोई मुद्दा है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जांच होनी चाहिए। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई के बीचों-बीच गोली मारकर हत्या किए जाने पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आश्चर्य जताया है। उन्होंने कहा कि यह अविश्वनीय है कि वह अब नहीं रहे। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि भगवान उनके परिवार को ताकत देंगे। एनसीपी नेता और अणुशक्ति नगर के विधायक नवाब मलिक ने कहा कि बाबा सिद्दीकी मेरे पुराने मित्र थे। उन्होंने युवा कांग्रेस के दौरान मेरे साथ काम किया था।

मिर्ज़ापुर

सोनभद्र

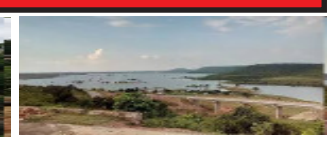

आरएसएस के स्वयंसेवकों ने शस्त्र पूजन कर मनाया विजयदशमी उत्सव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सोनभद्र नगर स्थित रामलीला मैदान में बहुत ही हर्षोल्लास के साथ शस्त्र पूजन कर विजयदशमी उत्सव मनाया। इस मौके पर जिला संघ चालक हर्ष अग्रवाल ने प्रभु श्री राम जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण व पूजन कर आरएसएस के संस्थापक डा.केशव राव बलिराम हेडगवार और द्वितीय सरसंघ चालक माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर (गुरूजी) की तस्वीर पुष्प अर्पित कर शस्त्र पूजन कर किया।सोनभद्र विभाग सेवा प्रमुख अवध नारायण ने स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक है आरएसएस वर्ष भर में कुल छह उत्सव मनाता है। विजयादशमी उसमें से एक है। यह पर्व असत्य पर सत्य की जीत और अंधकार पर प्रकाश की विजय का द्योतक है। विजयादशमी के दिन ही डा. हेडगेवार ने 1925 में नागपुर में संघ की स्थापना की थी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम भारतीय जन मानस की आत्मा हैं।अयोध्या राजपरिवार में जन्म लेने वाले राजकुमार जब पिता की आज्ञा से महल छोड़ते हैं तो वह अपनी सामर्थ्य और सामाजिक संरचना के बल पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बन जाते हैं। आसुरी शक्तियां उनके शरणागत हो जाती हैं। पुरातन काल से हम शक्ति की उपासना करते रहें हैं। आरएसएस विजयादशमी पर शस्त्र पूजन की परंपरा को जीवंत रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि संगठित रहने पर हमें कोई भी शक्ति परास्त नहीं कर सकती है,यह हमें संघ की नित्य शाखा से काम करने की प्रेरणा मिलती है। संगठन आज से 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस शताब्दी वर्ष में संगठन के सभी स्वयंसेवक बेहतर लक्ष्य को लेकर संगठन के कार्य और शक्ति को मजबूत बनाएंगे।मनुष्यत्व ही हिंदुत्व है,और हिंदुत्व ही राष्ट्रीयत्व है। इस मौके पर नगर संघचालक सुरेश,भारतीय किसान संघ के संगठन मंत्री अरविंद, जिला प्रचारक राहुल,सह जिला कार्यवाह राम लगन, जिला व्यवस्था प्रमुख कीर्तन,जिला प्रचार प्रमुख नीरज ,नगर कार्यवाह महेश,जिला सेवा प्रमुख नीरज, जिला घोष प्रमुख तारकेश्वर, नगर व्यवस्था प्रमुख संगम, नगर प्रचार प्रमुख कृष्ण प्रताप, नगर बौद्धिक प्रमुख कृष्ण कुमार,सह नगर व्यवस्था प्रमुख जे0बी सिंह,नगर संपर्क प्रमुख अनिल, चेतना प्रवाह प्रमुख सत्येंद्र पाठक, शिवशंकर,सदर विधायक भूपेश चौबे,कृष्ण मुरारी गुप्ता,बलराम सोनी, राज नारायण तिवारी आदि उपस्थित रहे।

प्रभु श्रीराम ने किया अहंकारी रावण का वध मैदान में उमड़ा जनसैलाब; लगे जयकारे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। लंकापति रावण का पुतला दहन होते ही पूरा मैदान जय श्रीराम के नारे से गुंजायमान हो गया। सुरक्षा के बाबत पुलिस प्रशासन की टीम भी तैनात रहीशाहगंज-नगर के रामलीला मैदान में शनिवार को असत्य पर सत्य की हुई जीत विजयादशमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रामलीला मैदान में राम और रावण युद्ध में असत्य की पराजय हुई। मर्यादा पुरुषोत्तम राम के अग्निबाण से रावण दहन के दौरान वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। रामलीला मैदान में प्रभु के दर्शन और रावण वध देखने के लिए अपार जनसमूह का शैलाब उमड पड़ा। 165 साल पुरानी रामलीला समिति के अध्यक्ष संदीप जायसवाल द्वारा की गई आरती के बाद शाहपंजा स्थित संगत जी मंदिर से रामरथ रामलीला मैदान के लिए रवाना हुआ।रामलीला

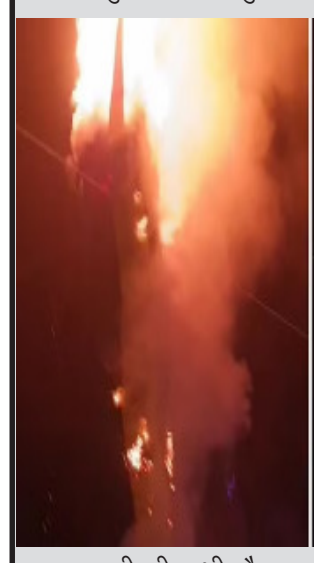

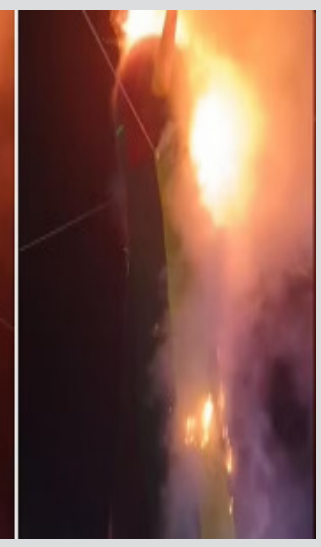

भवन, मेनरोड व श्रीरामपुर रोड होते हुए रोडवेज के रास्ते राम रथ रामलीला मैदान पहुंचा। जहां पूर्व नपा अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल, उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया व क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान, थानाध्यक्ष रोहित मिश्रा, भाजपा नेता प्रदीप जायसवाल, अधिशासी अधिकारी प्रदीप गिरी आदि ने राम व लक्ष्मण की आरती किया।इसके बाद लक्ष्मण मेघनाद, लक्ष्मण शक्ति, कुंभकरण वध की लीला के साथ राम रावण युद्ध का मंचन हुआ और अंत में राम के बाण से रावण का वध हुआ। मैदान में ट्रैक्टर ट्राली की सवारी कर आमजन मानस ने राम रावण का युद्ध देखा। मैदान में अच्छी खासी भीड़ रही। हालांकि, मैदान में दुकानें काफी कम संख्या में लगीं। सड़कों पर बडे तादाद में भीड़ लगी रही। वही सुरक्षा की दृष्टि से नगर में उपजिलाधिकारी राजेश कुमार चौरसिया व क्षेत्राधिकारी अजीत सिंह चौहान प्रभारी थानाध्यक्ष रोहित मिश्रा ने एक प्लाटून पीएसी व फोर्स के साथ रामलीला मैदान में भ्रमण करते रहे। ग्रामीणांचल व नगर के नागरिक मैदान में ट्रैक्टर ट्राली पर बैठकर रामलीला व रावण वध के साक्षी बने। वहां उपस्थित लोगों में नगर पालिका अध्यक्ष रचना सिंह, नपा अध्यक्ष पति विरेन्द्र सिंह बंटी, मोनू, राजेश कुमार, फिरतूराम आचार्य जी, भाजपा नेता रत्नेश अग्रहरि, कमलेश अग्रहरि नेता, संस्कार भारती के अध्यक्ष अमित जायसव, भाजपा पिछड़ा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष संदीप साहू, मंडल महामंत्री राम पलक सोनी, अमित जायसवाल, वेद प्रकाश जायसवाल, राम सागर, श्यामजी गुप्ता, श्रीष मोदनवाल, अनिल मोदनवाल, भुवनेश्वर मोदनवाल, अर्पित जायसवाल, घनश्याम जायसवाल, धीरज पाटिल, विकास जायसवाल, देवेश जायसवाल समेत काफी संख्या में नगर व ग्रामीणांचल के लोग उपस्थित रहे।

चोपन में जलेगा सबसे ऊंचा 85 फीट का रावण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व शनिवार को जिले में धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन बुराई के प्रतीक रावण के दहन के लिए पुतला तैयार किया गया है। जिले में सबसे ऊंचा रावण का पुतला चोपन में जलेगा। यहां 85 फीट के पुतले में आग लगाई जाएगी। दस सिर वाले रावण की गर्दन चारों दिशाओं में घूमते हुए अट्टहास भी करेगी। रेणुकूट में 80 तो अनपरा में 60 फीट के रावण के पुतले का दहन होगा।नवरात्र पूजा के बाद दशहरे पर जिले में जगह-जगह भव्य मेले का आयोजन होता है। इसमें दूरदराज से लोग रावण का पुतला दहन देखने पहुंचते हैं। मेले का आकर्षण रावण का विशाल पुतला होता है। रावण को युद्ध में पराजित करने के बाद प्रभु श्रीराम उसके पुतले में आग लगाते हैं। धू-धूकर जलते रावण को देखने के लिए बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग उत्साहित रहते हैं। लिहाजा सभी मेला समितियों के लोग इसे भव्य बनाने की कोशिश में लगे रहते हैं। रॉबर्ट्सगंज के रामलीला मैदान में रावण का पुतला दहन होगा। यहां करीब 35 फीट ऊंचा रावण का

पुतला जलाया जाएगा। पहले से तैयार लोहे के सांचे में कपड़ा, पुआल, कागज से रावण का पुतला तैयार किया गया है। जिले में सबसे ऊंचा रावण का पुतला चोपन के रेलवे ग्राउंड में जलेगा। हाईटेक तरीके से तैयार इस रावण के पुतले में रंग-बिरंगी लाइट लगाई गई है। इसकी गर्दन चारों दिशाओं में घूमते हुए अट्टहास करती रहेगी। इससे पहले मिर्जापुर से आए रामलीला कलाकार श्रीराम-रावण के बीच युद्ध का मंचन करेंगे। रावण बनाने में प्रमुख भूमिका बद्री सिंह, प्रमोद विश्वकर्मा एवं कमेटी के अन्य पदाधिकारी निभा रहे हैं। समिति के अध्यक्ष सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि सभी के सहयोग से रावण के पुतले का निर्माण कराया गया है।

राष्ट्रीय वर्चुअल बैठक कर एफपीओ के माध्यम से किसानों को किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। यूनिवर्सल सोनांचळ फार्मर एसोसिएशन (एफपीओ) एवं तेजस्वी संगठन न्यास द्वारा संचालित तेजस्वी किसान मार्ट द्वारा बिहार, मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में वर्चुअल बैठक कर इझ्थ् को किया गया जगरूक बैठक का संचालन ई. प्रकाश पाण्डेय सीईओ यूनिवर्सल सोनांचळ फार्मर एसोसिएशन द्वारा किया गया मुख्य वक्ता के रूप में हिमांशु चतुर्वेदी राष्ट्रीय संगठनमंत्री तेजस्वी किसान मार्ट रहे। सर्वप्रथम बिहार प्रदेश की निगरानी समिति के सदस्यों के साथ परिचयात्मक बैठक कर इझ्थ् द्वारा किसानों को जागरूक व आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की योजनवो पर वृहद चर्चा की गई। बिहार प्रदेश से आशोक कुमार, शैलेन्द्र कुमार, प्रकाश कुमार तिवारी, डायमंड कुमार, नंदलाल कुमार, निखिल रोशन, ज्योति प्रकाश,बिहार के प्रभारी गुड्डू सिंह जी रहे। मध्यप्रदेश में राजाराम पटेल, अर्जुन चडार, पुरषोत्तम पटेल, दीपक राय, कमलेन्द्र कुमार, कुलदीप कुमार कानूनगो, रामेश्वर यादव, बृजकिशोर तिवारी, और उत्तर प्रदेश से गिरिराज सिंह, हितेश चौधरी, गुड्डू सिंह, अखिलेश शुक्ला, गौरव सिंह सम्मिलित रहे।

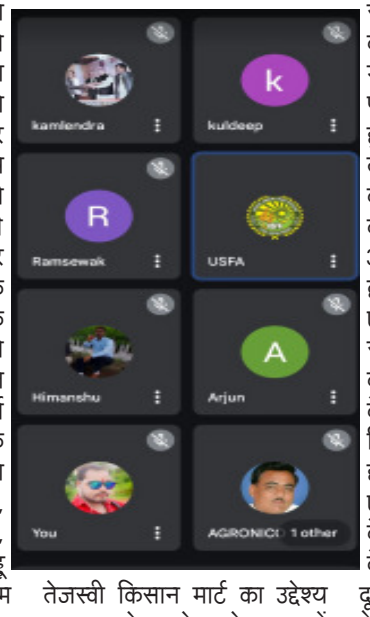

तेजस्वी किसान मार्ट का उद्देश्य उत्पादक से उपभोक्ता के सफर में एफपीओ की भूमिका पर वृहद चर्चाएं की गई। एफपीओ संचालन में आने वाली समस्यावो व उनके समाधान पर निगरानी समिति के सदस्यों द्वारा अपने अपने विचार प्रस्तुत किये गये। जिस पर तेजस्वी किसान मार्ट समिति ने अपनी सहमती प्रस्तुत की हिमांशु चतुर्वेदी द्वारा बताया गया कि एफपीओ को अपने आस पास व्यापार की सुरुआत करते हुये जनपद, प्रदेश, देश एवं विदेश तक का सफर क्रमशः तय करने की आवश्यता है। लोकल फ़ॉर वोकल के मंत्र पर काम करने की आवश्यकता है। ई. प्रकाश पाण्डेय द्वारा बताया गया कि एफपीओ को एकल विचारधारा से आगे बढ़कर सामूहिक विचारधारा पर काम करने की आवश्यकता है तभी देश के किसानी में एफपीओ के प्रति विश्वास की भावना का विकास होगा। तेजस्वी किसान मार्ट एफपीओ से एफपीओ के व्यापार के पल का काम करता है। जिससे देश के किसी भी कोने में एफपीओ दूसरे कोने में स्थापित एफपीओ के साथ सफलता पूर्वक व्यापार कर सके।

दुर्गापूजा देखकर लौट रहे बाइक सवार की गड्ढे में गिर कर मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सक्तेशगढ़। चुनार के नुनौटी गांव के कोदवारी पुरवा के पास बृहस्पतिवार रात को दुर्गापूजा देखकर लौट रहे बाइक सवार की गड्ढे में गिर कर मौत हो गई। नुनौटी गांव निवासी 54 वर्षीय ओमप्रकाश दुर्गा पूजा देखने के लिये बाइक से निकले थे। कोदवारी पुरवा के पास गड्ढे में बाइक पलट गई। रात दो बजे राहगीरों ने सड़क पर गिरा देख ग्रामीणों को सूचना दी। ग्रामीणों ने परिजनों को बुलाया। अस्पताल लेकर जाते तब तक मौत हो चुकी थी।

अनियंत्रित ट्रक ने मासूम सहित दंपती को रौंदा, तीनों की मौत; छा गया मातम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। हादसे की सूचना पाकर मौके पर इ्रमंडगंज थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया लेकिन डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया।मिर्जापुर के इ्रमंडगंज थाना क्षेत्र के रीवा मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित इ्रमंडगंज घाटी में बड़े मोड़ के आगे शनिवार को दोपहर करीब डेढ़ बजे एक अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दिया। जिससे बाइक पर सवार मां-बेटे की तो मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप घायल बाइक चालक ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। उधर टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित ट्रक डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गई।ग्राम देउरी थाना व जिला मऊगंज (मध्यप्रदेश) निवासी अमृतलाल कोल (32) अपनी पत्नी रन्नो देवी (29) व छह वर्षीय पुत्र अनूप को बाइक पर बैठाकर मिर्जापुर की ओर जा रहा था। उसी दौरान इ्रमंडगंज घाटी से नीचे उतरते समय पीछे से मछली लादकर आ रही ट्रक ब्रेक फेल होने से अनियंत्रित होकर आगे चल रही बाइक में टक्कर मार दिया।हादसे में रन्नो देवी व उसके पुत्र अनूप की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल अमृतलाल ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। उधर, सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सरोज ने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को अस्पताल भेजने के बाद उनके परिजनों को सूचना दी। अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सक ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। कुछ देर बाद एसडीएम लालगंज आशाराम वर्मा व सीओ अशोक कुमार सिंह ने भी पहुंचकर मौके का निरीक्षण किया। बाइक को टक्कर मारने वाली ट्रक आंध्रप्रदेश से मछली लादकर आ रही थी। घाटी में अचानक ब्रेक फेल होने से जब ट्रक अनियंत्रित हो गई तो उसका चालक जान बचाने के लिए ट्रक से नीचे कूद गया। उसके बाद चालक विहीन ट्रक ने आगे चल रही बाइक को टक्कर मारते हुए बाइक समेत उस पर सवार पति-पत्नी व बेटे को बुरी तरह कुचलते हुए कुछ दूर आगे जाकर डिवाइडर से टकराकर सड़क पर पलट गई। सड़क पर ट्रक पलटते ही एक लेन पर वाहनों का आवागमन ठप हो गया।सीओ लालगंज ने बताया कि हादसे में गंभीर रूप घायल तीन लोगों की मौत हो गई है। परिजनों को दुर्घटना की सूचना दी गई है। परिजनों के आने के बाद तीनों मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा।

रावण का कद बढ़ने से जीवन में राम का कद छोटा होता है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सेवाकेंद्र संचालिका बी के सुमन दीदी ने बताया कि जब मनुष्य के जीवन में बुराइयों के प्रतीक रावण का कद बडा होता जाता है तो राम अर्थात सद्गुणों एवं मानवीय मूल्यों का कद छोटा होता जाता है। सद्गुणों से सम्पन्न सोलह श्रेष्ठ मानवीय कलाओं से अलंकृत जीवन ही सतयुग है और मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा ही कलयुग का प्रारम्भ है। जब मनुष्य ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग से जीवन को नर्क बनाने वाले पांच महाविकारों काम, क्रोध,लोभ, मोह, अहंकार और पांच महाशत्रुओं ईर्ष्या, घृणा,द्वेष,छल और कपट पर विजय प्राप्त कर लेता है तो विजयादशमी महापर्व की सार्थकता उसके जीवन में सिद्ध हो जाती है। उसके जीवन से रावण के अंश और वंश का समूल विनाश हो जाता है। विजयादशमी के अवसर पर विकास नगर स्थित ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र पर आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका बी के सुमन दीदी ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जीवन में आध्यात्मिकता से दूर होता जा रहा मनुष्य रावण का पुतला बनता

जा रहा है, जिसका ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग से दहन करना आवश्यक है। पूरा विश्व महाविनाश के मुहाने (चौराहे) पर खड़ा है। हमें शस्त्रों की होड़ छोड़कर शास्त्रों की ओर चलने की आवश्यकता है तभी मनुष्य और मनुष्यता दोनों जीवित रह सकेंगी हैं। स्थानीय सेवाकेंद्र पर आध्यात्मिक प्रवचन के साथ-साथ लोगों को पौराणिक जीवंत चरित्रो के माध्यम से लोगों को सद्गुणों एवं मानवीय मूल्यों का संदेश देने के लिए चैतन्य झांकी सजाई गई थी। शक्ति की चैतन्य देवी दुर्गा जी के सामने बनाये गए हवन कुंड मे उपस्थित लोगो ने अपनी एक मानवीय कमजोरी को स्वाहा करके जीवन मे सद्गुणों के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। चैतन्य झांकी को जनपद के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं ने अवलोकन किया। राम(कु आयुष्मान), सीता(कु श्रुति),लक्ष्मण(कु प्रियांशु), हनुमान(कु आरव), सबरी(कु श्रेया),दुर्गाजी (कु रिद्धि) बने जीवंत चरित्र धारण करने बच्चों ने लोगो को आदर्श जीवन जीने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बी के सीता बहन,बी के सरोज बहन,कविता बहन, दीपशिखा बहन, हरीद्र भाई ,अवधेश भाई,प्रभा बहन ने अपना विशेष सहयोग दिया। इस अवसर पर सभी लोगों को प्रसाद वितरण किया गया।

विधानसभा रावटसगंज की मासिक बैठक जिला पार्टी कार्यालय पर संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। रविवार को समाजवादी पार्टी विधानसभा की बैठक जिला पार्टी कार्यालय सोनभद्र संपन्न हुई । बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक पूर्व जिला अध्यक्ष अविनाश कुशवाहा ने कहा कि आप लोगों की जिम्मेदारी है कि गांव-गांव जाकर समाजवादी संगठन को मजबूत करें और मतदाता सूची में छूटे हुए नाम को मतदाता सूची में नाम बढ़ाने का काम करें और फर्जी नाम को कटवाने का काम करें जिससे आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को विजय हासिल हो सके । बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष विजय यादव जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल अनिल प्रधान रामप्यारे सिंह पटेल रामाशंकर यादव के साथ विधानसभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे ।बैठक में मुख्य रूप से सरदार पारब्रह सिंह सनी पटेल सुरेंद्र यादव लक्ष्मण यादव कन्हैयालाल दशरथ यादव राजमणि यादव कामरान खान अफरोज खान कृष कुमार लाल जी मौर्य श्याम सुंदर सिंह सिकंदर

पासवान देवेंद्र नाथ कुशवाहा सूबेदार कुशवाहा दयाराम मौर्य मनोज कुशवाहा राम सिंह यादव सूरज चौरसिया ओम प्रकाश यादव नाम और कुशवाहा कृपा शंकर चौहान राजेंद्र यादव अशोक पटेल अर्जुन सिंह जयप्रकाश यादव प्रदीप कुमार कनौजिया गोविंद चंद्रवंशी जोखन पथरी इंद्रदेव भारती रवि मौर्य भगंदर यादव गोकुल यादव गोविंद प्रसाद पंकज त्यागी अयोध्या सिंह मौर्य राजेंद्र अशोक कुमार मौर्य विजेंद्र कुमार मौर्य अनिल कुमार मौर्य ओमप्रकाश रामदयाल मौर्य पारस दिनेश प्रसाद सत्यनारायण मौर्य कन्हैयालाल मनोहर यादव नूर मोहम्मद राम लोचन विजय यादव के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डांडिया नृत्य में खूब थिरकीं महिलाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अनपरा। अनपरा तापीय परियोजना के आवासीय परिसर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में नव युवक सेना श्रीदुर्गा पूजा समिति अनपरा की ओर से डांडिया नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डांडिया नृत्य में महिलाएं और बच्चे खूब थिरके।मुख्य अतिथि परियोजना के सीजीएम इं. जेपी कटियार, ज्योतिपुंज महिला मंडल की अध्यक्ष सुमन कटियार, विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक दूधनाथ यादव, सुभद्रा यादव, उप समादेष्टा आरके शर्मा, रीना चतुर्वेदी, एजीएम (लेखा) एसपी कुशवाहा आदि ने मां दुर्गा की आरती की। इसके बाद ज्योतिपुंज महिला मंडल, प्रांजलि ग्रुप, सिल्वर स्पार्कर ग्रुप, गणपति समिति, महिला इंडिया ग्रुप की महिलाएं और बच्चों ने डांडिया नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में डीएवी जूनियर एवं सीनियर, सेंट फ्रांसिस, अंबेडकर शिशु मंदिर एवं विद्या मंदिर, संस्कार एकेडमी के बच्चों

के अलावा कॉलोनी के अधिकारियों व कर्मचारियों के बच्चों ने भाग लिया। इसमें प्रथम स्थान अंबेडकर शिशु विद्या मंदिर, द्वितीय स्थान संस्कार एकेडमी लैंको एवं तृतीय स्थान अंबेडकर सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागी बच्चों को अतिथियों ने पुरस्कृत किया। संचालन माधवेंद्र सिंह ने किया। इस अवसर पर इं. चंद्र प्रकाश, अजय अग्रवाल, कुमार गौरव केन, किरण चौधरी, अभिलाषा यादव आदि मौजूद रहे।अनपरा। हिंडाल्को रेणुसागर के आवासीय परिसर स्थित प्रेक्षागृह में शारदीय नवरात्र के अवसर पर स्थापित दुर्गा पंडाल में दिशिता महिला मंडल की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। महिषासुर मर्दन, रक्तबीज संहार की जीवंत प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। डांडिया एवं गरबा नृत्य से मां दुर्गा की आराधना हुई। मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख आरपी सिंह रहे। दिशिता एवं दृष्टि महिला मंडल ने अधिकारी एवं कर्मचारियों के परिवार की महिलाओं, बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने में अहम भूमिका निभाई। संचालन चंद्रा त्रिपाठी व पूनम तिवारी ने किया। इस अवसर पर मनीष जैन संजय श्रीमाली, पंकज पांडेय, प्रणव सोनी, अनिल झा, संदीप यावले आदि मौजूद रहे। अनपरा। नगर के वार्ड नंबर 12 के दो नंबर गेट स्थित अवधूत आश्रम में अघोर सेवा मंडल की ओरसे नवमी पर भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अवधूत भगवान राम पीजी कॉलेज अनपरा के प्राचार्य डॉ. अजय विक्रम सिंह ने मंडल की ओर से किए जा रहे सामाजिक और धार्मिक कार्यों की सराहना की। अध्यक्षता बाबा ओमजी ने की। मंडल के सचिव बृजेंद्र सिंह, राजेश श्रीवास्तव, दिनेश सिंह, अजय कुमार आदि मौजूद रहे।

रैली निकालकर मानसिक स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

मिर्जापुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर बृहस्पतिवार को मंडलीय अस्पताल परिसर से एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं के साथ जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं ने लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक कियारैली को सीएमएस डॉ. एसके श्रीवास्तव और एसीएमओ डॉ. मुकेश ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।रैली में शामिल स्वास्थ्य कर्मी मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता संबंधी पोस्टर व बैनर लिए हुए थे। रैली पहले कलेक्ट्रेट पहुंची और वहां से घोड़े शहीद, मोर्चाघर होते सीएमओ कार्यालय पहुंची। रैली समाप्त होने के बाद सीएमओ कार्यालय के सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने कहा कि घर में बच्चे मोबाइल पर गेम खेलते हैं। मोबाइल में मानसिक तनाव वाले गेम रहते हैं। इससे बच्चों के मानसिक रोग के शिकार होने की आशंका रहती है। अभिभावकों को बच्चों पर ध्यान देने की जरूरत है। एसीएमओ डॉ. मुकेश ने कहा कि लोग शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति तो जागरूक रहते हैं, परंतु मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नहीं रहते हैं।

NATIONAL HEALTH MISSION

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

आधुनिक समाचार ™ प्रयागराज सोमवार 14 अक्टूबर, 2024 हिन्दी दैनिक

स्पोर्ट्स

रनों के लिहाज से भारत की टी20 में तीसरी बड़ी जीत, मैच में बने कुल इतने रन, संजू-सूर्यकुमार चमके

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन के शतक और कप्तान सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 297 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 164 रन ही बना सका। बल्लेबाजों के बाद स्पिनर रवि बिश्नोई की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारत ने हैदराबाद में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में 133 रनों से हराया। भारत की रनों के लिहाज से यह टी20 की तीसरी सबसे बड़ी जीत है। भारत ने इसके साथ ही तीन मैचों की यह सीरीज 3-0 से जीत क्लीन स्वीप किया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू सैमसन के शतक और कप्तान सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 297 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश निर्धारित ओवर में सात विकेट पर 164 रन ही बना सका। भारत ने 2023 में न्यूजीलैंड को 168 रनों से हराया था जो टी20 में उसकी सबसे बड़ी जीत है। भारत ने इसके साथ ही 2024 में टी20 में 21वीं जीत दर्ज की। भारत के लिए बिश्नोई ने तीन विकेट लिए, जबकि तेज गेंदबाज मयंक यादव को दो विकेट मिले। बांग्लादेश की ओर से तौहीद हृदोय 42 गेंदों पर 63 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने बांग्लादेश को टेस्ट सीरीज में भी 2-0 से क्लीन स्वीप किया था और अब टी20 सीरीज में भी सूपड़ा साफ करने में सफल रहे। बांग्लादेश की टीम इस भारत दौरे पर एक भी मैच नहीं जीत सकी। भारत ने इस मैच में अपने टी20 इतिहास का सर्वोच्च स्कोर बनाया था और शुरुआत से ही भारतीय गेंदबाज बांग्लादेश पर दबाव बनाने में सफल रहे। भारत और बांग्लादेश के बीच इस मैच में कुल 461 रन बने। भारत में किसी टी20 मैच में बना यह दूसरा सर्वाधिक कुल स्कोर है। भारत में सबसे ज्यादा रन अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच मैच में बने थे। उस मैच में दोनों पारी मिलाकर 472 रन बने थे। भारतीय टीम ने सर्वाधिक बार टी20 में 200 से अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। भारत कुल 37 बार अब तक टी20 मैच में 200 से अधिक का स्कोर बना चुका है। भारतीय टीम ने इस साल अब तक छह बार 200 रन का स्कोर बनाया है। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और परवेज हुसैन इमोन पहली ही गेंद पर खाता खोले बिना आउट हो गए। इसके बाद बिश्नोई ने बांग्लादेश के बल्लेबाजों को साझेदारी बनाने से रोका और बीच-बीच में झटके देते रहे। बांग्लादेश के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने 42 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए लिटन और हृदोय के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके। इससे पहले, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। बांग्लादेश को अभिषेक शर्मा (4) के रूप में पहली सफलता जल्दी मिली। हालांकि, इसके बाद संजू सैमसन और सूर्यकुमार ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। सैमसन ने महज 40 गेंदों पर अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर पहला शतक जड़ा। पिछले दो मैचों में बड़ी पारी खेलने में विफल रहने वाले सैमसन इस पारी की बदौलत टीम प्रबंधन और कप्तान के भरोसे पर खरा उतरने में सफल रहे। सैमसन 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 111 रन बनाकर आउट हुए। यह उनके टी20 करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। सैमसन ने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 173 रनों की साझेदारी की।सैमसन और सूर्यकुमार की पारी के दम पर ही भारत इतने बड़े स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। अभिषेक शर्मा के जल्दी आउट होने के बाद सैमसन और सूर्यकुमार ने बांग्लादेश के गेंदबाजों को जमकर खबर ली और लगातार आक्रामक बल्लेबाजी की। सूर्यकुमार 35 गेंदों पर आठ चौकों और पांच छक्कों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हुए। सैमसन और सूर्यकुमार के आउट होने के बाद हार्दिक पांड्या और रियान पराग ने साझेदारी निभाई और महज 26 गेंदों पर 70 रन जोड़कर भारत का स्कोर 300 के करीब पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। भारत के लिए सैमसन और सूर्यकुमार के अलावा हार्दिक ने 18 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 47 रन बनाए, जबकि रियान ने 13 गेंदों पर एक चौका और चार छक्कों के दम पर 34 रनों की पारी खेली। रिंकू सिंह चार गेंदों पर एक छक्के की मदद से आठ रन और वाशिंगटन सुंदर एक रन बनाकर नाबाद लौटे। बांग्लादेश की ओर से तंजिम हसन साकिब ने चार ओवर में 66 रन लुटाकर तीन विकेट झटके, जबकि तस्कीन अहमद, मुस्तफिजुर रहमान और महमूदुल्लाह को एक-एक विकेट मिले।

टी20 में सबसे तेज 2500 रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बने सूर्यकुमार खेली शानदार अर्धशतकीय पारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत के लिए टी20 में सबसे तेज 2500 रन पूरा करने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। कोहली ने दिसंबर 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ हैदराबाद गेंदों पर आठ चौकों और पांच छक्कों की मदद से 75 रन बनाए। भारत के लिए टी20 में सबसे तेज 2500 रन पूरा करने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम दर्ज है। कोहली ने दिसंबर 2019 में वेस्टइंडीज के रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। सैमसन ने महज 40 गेंदों पर अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर पहला शतक जड़ा। पिछले दो मैचों में बड़ी पारी खेलने में विफल रहने वाले सैमसन इस पारी की

में खेले गए मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी। कोहली ने 2500 रन पूरे करने के लिए 68 पारी ली थी। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव बांग्लादेश के खिलाफ हैदराबाद में खेले गए टी20 मैच के दौरान एक खास उपलब्धि अपने नाम कर ली। सूर्यकुमार ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 2500 रन पूरे कर लिए हैं। वह ऐसे दूसरे भारतीय हैं जिन्होंने सबसे तेजी से यह कारनामा किया है। दायें हाथ के इस बल्लेबाज ने 71वीं पारी में यह उपलब्धि अपने नाम की। सूर्यकुमार ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया और 35 खिलाफ हैदराबाद में खेले गए मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी। कोहली ने 2500 रन पूरे करने के लिए 68 पारी ली थी। ओवरऑल सबसे तेज 2500 रन पूरा करने का रिकॉर्ड अभी भी पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम के नाम है। बाबर ने 62 पारियों में यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की थी। भारत को अपनी कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब दिलाने में रोहित शर्मा ने 2500 रन पूरे करने के लिए 92 पारियां ली थी। बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में संजू सैमसन और सूर्यकुमार ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की और बदौलत टीम प्रबंधन और कप्तान के भरोसे पर खरा उतरने में सफल रहे। सैमसन 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 111 रन बनाकर आउट हुए। यह उनके टी20 करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। सैमसन ने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 173 रनों की साझेदारी की। इन दोनों की शानदार पारियों के दम पर भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ यह मुकाबला 133 रनों से जीता और तीन मैचों की सीरीज 3-0 से क्लीन स्वीप की।

न्यूजीलैंड की जीत ने बढ़ाई टीम इंडिया की मुश्किलें, सेमीफाइनल में पहुंचने का अब यह है समीकरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। इस जीत के बाद न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप-ए में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसका नेट रन रेट ₹0.282 बाहर हो गई। श्रीलंकाई टीम इस साल एशियाई चैंपियन बनी थी। वहीं, भारत दूसरे स्थान पर है। उसके तीन मैचों में चार अंक हैं। टीम इंडिया का नेट रन रेट ₹0.576 सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला 14 अक्तूबर और भारत-ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला 13 अक्तूबर को खेला जाएगा। श्रीलंका

है। वहीं, श्रीलंकाई टीम विश्व कप से बाहर हो गई। लेग स्पिनर एमिलिया केर और ऑफ स्पिनर लीग कास्पेरेक ने दो-दो विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में श्रीलंका को शनिवार को पांच विकेट पर 115 रन ही बनाने दिए। जवाब में न्यूजीलैंड ने 17.3 ओवर में दो विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। न्यूजीलैंड की इस जीत ने भारती की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अब भारत को किसी भी हाल में ऑस्ट्रेलिया को हराना ही होगा, नहीं तो फिर उन्हें अन्य टीमों पर निर्भर रहना पड़ेगा।इस जीत के बाद न्यूजीलैंड की टीम ग्रुप-ए में अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उसका नेट रन रेट ₹0.282 है। वहीं, श्रीलंकाई टीम विश्व कप से है। ऑस्ट्रेलिया तीन मैचों में तीन जीत और ₹2.786 के नेट रन रेट के साथ पहले स्थान पर है। भारत का अगला मैच ऑस्ट्रेलिया से तो न्यूजीलैंड का पाकिस्तान से है। भारत अगर अपना अगला मैच ऑस्ट्रेलिया से जीतता है और न्यूजीलैंड भी पाकिस्तान को हरा देता है तो नेट रन रेट का खेल होगा। ऐसे में भारत को अच्छे अंतर से जीतना होगा और यह भी मनाना होगा कि कीवी टीम पाकिस्तान को ज्यादा अंतर से नहीं हराए। वहीं, भारत अगर ऑस्ट्रेलिया से हार जाता है और न्यूजीलैंड पाकिस्तान को हराने में कामयाब होता है तो कीवी टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। कीवी टीम के हारने पर और भारत के ऑस्ट्रेलिया से जीतने पर टीम इंडिया अपने आप ने टॉस जीत पर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उसके तरफ से कप्तान चमारी अटापट्टू ने 41 गेंद पर 35 रन बनाए जिसमें पांच चौके शामिल हैं। न्यूजीलैंड की तरफ से केर ने चार ओवर में 13 रन देकर दो विकेट जबकि कास्पेरेक ने 27 रन देकर दो विकेट हासिल किए। ऑफ स्पिनर ईडन कार्सन ने 17 रन देकर एक विकेट लिया। श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज विष्मी गुणरत्ने (15 गेंद पर आठ रन) का विकेट चौथे ओवर में गंवा दिया। इसके बाद चमारी और हर्षिता समरविक्रम (29 गेंद पर 18 रन) ने अगले 10 ओवर तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया, लेकिन उनकी धीमी बल्लेबाजी से टीम पर दबाव बढ़ा।

टी20 विश्व कप फाइनल में ऋषभ पंत ने की थी चोट की एक्टिंग रोहित के मैच विनर वाले बयान पर दी प्रतिक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में खुलासा किया था कि दक्षिण

अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की सूझबूझ की वजह से भारत ने टी20 विश्व कप 2024 अपने नाम किया था। उन्होंने कहानी बताई थी कि कैसे पंत ने मैच को धीमा करने में मदद की थी और दक्षिण अफ्रीका के लय को रोक दिया था। तब मैच में दक्षिण अफ्रीका को 30 गेंदों पर 30 रनों की जरूरत थी और ऐसा लग रहा था कि यह मैच भारत के हाथ से निकल चुका है। भारत को मैच को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए कोई चमत्कार की जरूरत थी। इसके बाद पंत ने घुटने में चोट की वजह से फीजियो को बुलाया, यहीं से दक्षिण अफ्रीका के विकेटों का पतन शुरू हुआ। रोहित ने इस मैच के टर्निंग पॉइंट में से एक बताया था। पंत ने रोहित के दावे पर चुप्पी तोड़ी और कहा कि उन्होंने फिजियो को मैदान पर अपना समय लेने के लिए कहा था। पंत ने कहा- मैं इस बारे में सोच रहा था। क्योंकि मैच की गति अचानक दक्षिण अफ्रीका के पक्ष में मुड़ गई। दो-तीन ओवर में काफी रन बने। इसलिए मैं सोच रहा था कि आप पता नहीं फिर कब विश्व कप फाइनल में खेल रहे होंगे, ये क्षण फिर कब आएगा। इसलिए मैं फिजियो से कह रहा था कि आप अपना समय लें, समय बर्बाद करते रहें। रोहित भैया मुझसे पूछ रहे थे कि क्या मैं ठीक हूं। मैंने उनसे कहा कि मैं सिर्फ एक्टिंग कर रहा हूं।

सचिन के रिकॉर्ड तोड़ने की चर्चा पर आया जो रूट का बयान, टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने पर रखी राय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। सचिन के नाम टेस्ट में 15921 रन बनाने का सर्वकालिक रिकॉर्ड है, जबकि रूट ने लाल गेंद

के इस प्रारूप में 147 टेस्ट मैचों में 51.47 के औसत से 12664 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट जानते हैं कि वह सचिन तेंदुलकर के टेस्ट रिकॉर्ड तोड़ने के करीब पहुंच रहे हैं। रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में दोहरा शतक जड़ा था और वह इंग्लैंड के लिए इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए थे। रूट के हालिया प्रदर्शन को देखते हुए इस बारे में चर्चा तेज हो गई है कि क्या रूट आने वाले समय में भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे?रूट ने हालांकि, इस चर्चा से खुद को अलग रखा है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह सचिन से आगे निकल पाएंगे या नहीं। सचिन के नाम टेस्ट में 15921 रन बनाने का सर्वकालिक रिकॉर्ड है, जबकि रूट ने लाल गेंद के इस प्रारूप में 147 टेस्ट मैचों में 51.47 के औसत से 12664 रन बनाए हैं। रूट से जब सचिन के रिकॉर्ड से आगे निकलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे कोई अंदाजा नहीं है। यह अभी भी कुछ दूर है। रूट विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। रूट ने 2024 में आठ महीने के अंदर पांच टेस्ट शतक लगाए हैं। इस सफर की शुरुआत भारत के खिलाफ फरवरी में रांची में 122 रन की नाबाद पारी से हुई थी। इसके बाद उन्होंने जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में 122 रन, श्रीलंका के खिलाफ अगस्त में लॉर्ड्स की दोनों पारियों में 143 और 103 रन बनाए थे। रूट ने अब तक टेस्ट में 35 शतक लगाए हैं और वह इंग्लैंड के सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। वहीं, ओवरऑल वह छठे स्थान पर हैं। सचिन तेंदुलकर 51 शतक के साथ शीर्ष पर हैं। जैक कैलिस 45 शतक के साथ दूसरे, रिकी पोंटिंग 41 शतक के साथ तीसरे, कुमार संगकारा 38 शतक के साथ चौथे और राहुल द्रविड़ 36 शतक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। रूट ने कहा, कोविड-19 के दौरान मैंने अपने खेल पर काफी मेहनत की। उन क्षेत्रों पर ध्यान दिया जो मुझे लगता था कि यहां मैं कमजोर हूं। मैं अपने कमजोरी और मजबूती के बारे में जानना चाहता था।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

भारत के लिए डेब्यू करने वाले थे हर्षित राणा मैच से पहले सूर्यकुमार ने अचानक बदला फैसला

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली।भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला हैदराबाद में खेला जा रहा है। इस मैच में तेज गेंदबाज हर्षित राणा अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले थे। हालांकि, किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया और वह डेब्यू करते-करते रह गए। भारत पहले ही तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त ले चुका है और बांग्लादेश को क्लीन स्वीप करने उतरा है। कप्तान सूर्यकुमार और टीम मैनेजमेंट इस मैच में अपने बेंच स्ट्रेंथ को आजमाने वाले थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।दरअसल, मैच से पहले ही पता चला कि हर्षित वायरल इन्फेक्शन से गुजर रहे हैं। उनकी तबीयत ठीक नहीं है। ऐसे में

मजबूरन को टीम मैनेजमेंट को रवि बिश्नोई को मैदान पर उतारना पड़ा। अर्शदीप सिंह को इस मैच में आराम दिया गया है। भारतीय टीम सिर्फ एक स्पेशलिस्ट पेस बॉलर के साथ मैदान पर उतरी है। मयंक यादव टीम में एकमात्र स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज हैं। उनका साथ हार्दिक पांड्या और नीतीश रेड्डी निभाते दिखेंगे। हर्षित पिछले काफी समय से टीम से जुड़े रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक डेब्यू का मौका नहीं मिला था। अब एक और मौका वह चूक गए। बीसीसीआई ने हर्षित पर अपडेट देते हुए कहा, 'हर्षित राणा वायरल संक्रमण के कारण तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे और वह टीम के साथ स्टेडियम नहीं गए थे।' भारतीय टीम इस मैच में पांच स्पिन विकल्पों के साथ मैदान पर उतरी है। इनमें रवि बिश्नोई और वरुण चक्रवर्ती के अलावा वॉशिंगटन सुंदर, रियान पराग और अभिषेक शर्मा शामिल हैं। संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), नीतीश रेड्डी, हार्दिक पांड्या, रियान पराग, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मयंक यादव।

सम्पादकीय

लेबनान की सबक सिखाने वाली घटना, भारत को भी सावधान हो जाना चाहिए

कुछ दिनों पहले लेबनान में विस्फोटों की दो घटनाएं हुईं। ये कोई बड़े विस्फोट या हवाई हमले नहीं थे, बल्कि बहुत छोटे थे, लेकिन सैन्य तकनीक की एक नई छलांग थे। उन दो दिनों में हजारों चिह्नित पेजर और फिर वाकी-टाकी फट गए, जिससे 37 लोग मारे गए और कम से कम 3,000 घायल हो गए। कई विस्फोटों में यूजर को आंखें गंवानी पड़ीं। आम धारणा यह है कि ये विस्फोट इजरायल द्वारा आतंकी समूह हिजबुल्ला को निशाना बनाकर किए गए। सवाल यह है कि इजरायली खुफिया एजेंसी पेजर को हैक करने में कैसे कामयाब रही? उसने हंगरी में एक नकली कंपनी बनाई, जिसने ताइवान के एक पेजर निर्माता का उपयोग करके लेबनान में पेजर की आपूर्ति की। हिजबुल्ला द्वारा आर्डर किए गए इन पेजर में महज 3-5 ग्राम विस्फोटक लगाया गया था। वे कई महीनों तक सामान्य रूप से काम करते रहे, लेकिन जब इन पेजर को एक विशेष संदेश भेजा गया तो वे फट गए। इस घटना ने सारी दुनिया को चकित कर दिया, लेकिन इससे केवल चकित ही नहीं, सतर्क भी होना चाहिए-भारत को तो विशेष रूप से। यह पहली बार नहीं है कि किसी देश ने जासूसी करने के लिए हार्डवेयर को हैक किया हो। चीनी सरकार के लिए जासूसी करने के संदेह में वहां की दिग्गज कंपनी हुआवे को कई देशों ने प्रतिबंधित कर दिया है। 2020 में अमेरिकी सरकार ने देश भर में मोबाइल टावरों से 24,000 से अधिक मेड-इन-चाइना संचार उपकरणों को हटाने का आदेश दिया था, क्योंकि उसे संदेह था कि चीनी सेना अमेरिकी सैन्य और सरकारी प्रतिष्ठानों की गुप्त निगरानी करने के लिए ऊंचाइयों पर स्थापित इन उपकरणों का उपयोग कर सकती है। यह स्थिति भारत के लिए भी चेतावनी है। हम एक प्रमुख आर्थिक और सैन्य शक्ति है और ऐसे कई विरोधी हैं, जो हमारी सरकारी एजेंसियों, मीडिया और लोगों को नियंत्रित करने और यहां तक कि आर्थिक हेरफेर करने के लिए गहरे षड्यंत्र रच सकते हैं। इस बढ़ते खतरे से देश की रक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए सबसे पहले हमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कई हार्डवेयर परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना करनी चाहिए, विशेष रूप से उन उपकरणों के लिए, जो विदेशी एजेंसियों से आ रहे हैं। हमें प्रत्येक राज्य में उच्च तकनीकी हार्डवेयर निगरानी परीक्षण प्रयोगशालाओं का निर्माण करना चाहिए, जहां नागरिक अपने उपकरणों की जांच करा सकें। सरकार द्वारा उपयोग किए जा रहे हार्डवेयर की ऑडिटिंग को भी अनिवार्य किया जाए। ऐसी अत्याधुनिक हार्डवेयर परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए एक अच्छा स्थान राज्यों की राजधानी में कोई विश्वविद्यालय भी हो सकता है। इस विषय पर जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। कितने लोग जानते हैं कि आपका फोन वास्तव में आपकी बात सुन रहा है, भले ही वह इस्तेमाल में न हो। अब तो आप अपने नए फोन की बैटरी भी नहीं निकाल सकते और इसलिए हम किसी फोन के हार्डवेयर को आफ मोड में भी आसपास की बात सुनने से नहीं रोक सकते। अक्सर कई एप्स ऐसी गुप्त सुनवाई और सर्च हिस्ट्री का उपयोग करके आपको विज्ञापन दिखाते हैं। घरों और कार्यालयों में उपयोग किए जाने वाले हार्डवेयर, जैसे सुरक्षा कैमरे उसके डाटा को ऐसे सर्वरों में स्टोर करते हैं, जो भारत में स्थित नहीं हैं। ऐसे हार्डवेयर उपकरण, जो अक्सर सस्ते होते हैं और चीन में बने होते हैं, विदेशी नागरिकों का डाटा लीक करने की आशंका बढ़ाते हैं। भारत को निर्माण परियोजनाओं में विदेशी कंपनियों की भागीदारी को सीमित करना चाहिए और निर्माण के चरण में ही एंटी-स्पाइंग की जानी चाहिए। 2018 में चीनी सरकार पर अफ्रीकी संघ मुख्यालय के अंदर जासूसी करने का आरोप लगा था, जिसमें सुनने वाले उपकरणों का उपयोग किया गया था। ये हर रात डाटा को शंघाई भेजते थे। चीनी कंपनियों ने अफ्रीकी देशों में 186 सरकारी इमारतों का निर्माण किया था और ऐसी आशंका है कि इन जासूसी उपकरणों को निर्माण के समय ही स्थापित किया गया था, जिससे यह पता लगाना और भी कठिन हो गया कि ऐसे हार्डवेयर को गुप्त रूप से कहां स्थापित किया गया है। ऐसी इमारतें मुख्य लक्षित क्षेत्र थीं, जो प्रमुख सैन्य और सरकारी स्थानों के निकट स्थित थीं। हमारी सरकार को स्वदेशी डिजिटल उपकरणों के निर्माण को भी बड़े पैमाने पर बढ़ावा देना होगा। यह केवल उन उपकरणों के पुर्जों को अन्य हिस्सों से मंगवाकर असेंबल करने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पुर्जों को खुद बनाना होगा।

देश का मान बढ़ाने वाले रतन टाटा, भारतीय कारोबार जगत को दिया नया आकार

भारत के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा संस के पूर्व चेयरमैन और दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा ने दुनिया को अलविदा कह दिया। टाटा ग्रुप का प्रतिष्ठित चेहरा रहे रतन टाटा ने कंपनी की 150 साल से भी ज्यादा पुरानी विरासत को आगे ले जाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। अपने कार्यकाल में वह टाटा टाटा को उनकी ईमानदारी, नैतिक नेतृत्व और परोपकार के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता था, जिसने उन्हें भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बना दिया।रतन टाटा अक्सर कहते थे कि हमारी दादी ने हमें हर कीमत पर गरिमा बनाए रखना सिखाया। यह एक ऐसा में थी। उन्होंने देश को इसका भी अहसास कराया कि वैश्विक स्तर पर भारतीय कंपनियां नामी विदेशी कंपनियों से बराबरी कर सकती हैं।उन्होंने अपनी कंपनियों को विश्वस्तरीय बनाया। एक उद्योगपति कैसे बेहद साधारण जीवन जी सकता है, इसका भी उन्होंने उदाहरण पेश किया। उन्होंने टाटा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विविधता की ओर कदम बढ़ाए, जिसने भारत के डिजिटल परिदृश्य के लिए आधार तैयार किया। रतन टाटा के दूरदर्शी नेतृत्व, नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता और सामाजिक जिम्मेदारी पर ध्यान ने देश के तकनीकी परिदृश्य को नया आकार दिया।उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण ने कई पहलों को जन्म में योगदान दिया।समय के साथ रतन टाटा ने अपना ध्यान स्टार्टअप की ओर लगाया। ओला और पेटीएम सहित विभिन्न प्रौद्योगिकी-संचालित कंपनियों में उनके निवेश ने उभरते उद्यमियों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन प्रदान किया। उनका समर्थन भारत में नवाचार को बढ़ावा देने और एक में मदद की, जिससे लोगों की उन सूचनाओं और सेवाओं तक पहुंच आसान हुई, जो डिजिटल परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण हैं।पिछले 100 वर्षों में दुनिया भर के सबसे बड़े दानदाताओं की सूची में टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा का नाम पहले नंबर पर है। रतन टाटा भी दान के मामले में पीछे नहीं थे।

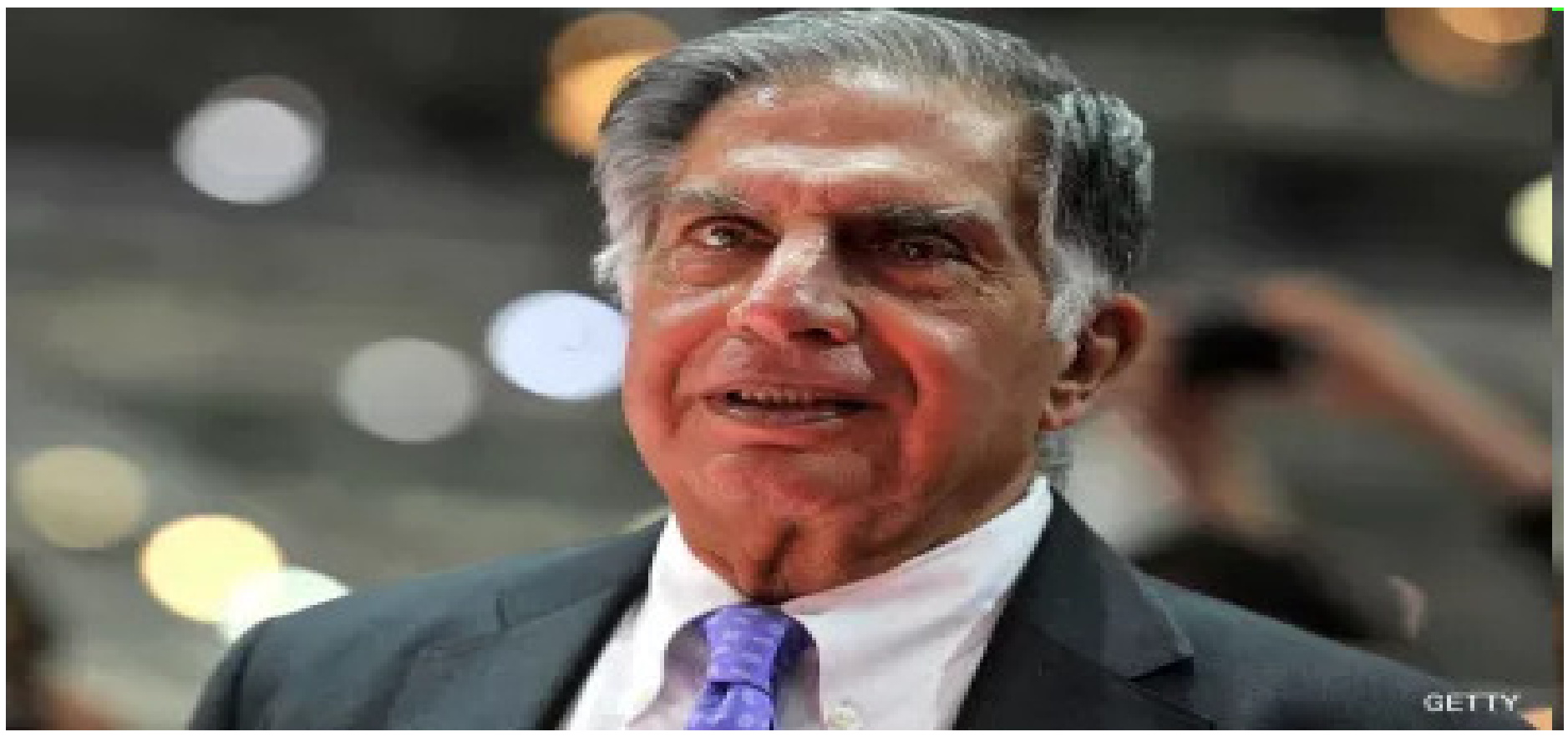

ग्रुप को वैश्विक स्तर पर प्रसिद्धि दिलाने में सफल रहे। रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा ग्रुप का कारोबार तेजी से आगे बढ़ा और देश ही नहीं दुनियाभर में टाटा का डंका बजा। अपनी विनम्रता, करुणा और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए पहचान बनाने वाले रतन टाटा ने आर्थिक सुधार और वैश्वीकरण के दौर में न सिर्फ टाटा ग्रुप का मार्गदर्शन किया, बल्कि दो दशक से अधिक समय तक भारतीय व्यापार परिदृश्य को नया आकार देने में मदद की।अपने व्यावसायिक कौशल से परे रतन मूल्य है, जो आज तक मेरे साथ है। उनके इसी गुण ने उनके प्रभाव को व्यापार के पारंपरिक क्षेत्रों से कहीं आगे तक फैलाया। उनकी साख केवल उद्योग जगत में ही नहीं थी। वह इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम और एक्स पर भी बेहद लोकप्रिय थे।भारत में रतन टाटा एक ऐसा नाम रहा, जिसने आम आदमी को कार मालिक बनने का सपना दिखाया। उन्होंने टाटा नैनो कार की भी संकल्पना तैयार की। कार की कीमत ऐसी रखी गई, जो औसत भारतीय उपभोक्ता की पहुंच ग्रुप को ग्लोबल बनाया, जो कभी एक देसी ग्रुप के रूप में ही अपनी पहचान रखता था।उन्होंने टाटा टी को टेटली, टाटा मोटर्स को जगुआर, लैंड रोवर तथा टाटा स्टील को कोरस का अधिग्रहण करने में मदद की, जिससे यह संगठन मुख्यतः भारत-केंद्रित समूह से वैश्विक व्यवसाय में परिवर्तित हो गया। इसी के चलते उनके 21 वर्षों के कार्यकाल में टाटा ग्रुप का राजस्व 40 गुना से अधिक तथा लाभ 50 गुना से अधिक बढ़ा।टाटा समूह ने रतन टाटा के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी और दूरसंचार दिया, जिससे देश को डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने में मदद मिली। रतन टाटा ने प्रौद्योगिकी की क्षमता को बहुत पहले ही पहचान लिया था। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जैसी कंपनियों ने भारत में एक मजबूत आइटी सेवा उद्योग स्थापित करने में सहायता की, जिससे देश को वैश्विक आइटी हब के रूप में पहचान मिली। उनके प्रयासों से टीसीएस साफ्टवेयर डेवलपमेंट और कंसल्टेंसी में एक प्रमुख नाम बनी, जिसने दुनिया भर में व्यवसायों के डिजिटल परिवर्तन जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने में सहायक रहा।कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पर उनके जोर ने वंचित समुदायों में डिजिटल साक्षरता के विस्तार में मदद की। वह चाहते थे कि डिजिटलीकरण के लाभ व्यापक आबादी तक पहुंचें, जिससे डिजिटल खाई को पाटा जा सके। रतन टाटा के मार्गदर्शन में टाटा टेली सर्विसेज की शुरुआत भारत के दूरसंचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई। इसने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाने टाटा समूह ने कोविड महामारी से लड़ने के लिए भारत सरकार को 1,500 करोड़ रुपये का दान किया था, जो भारतीय कारोबारी घरानों द्वारा किया गया सबसे बड़ा दान था।टाटा संस को नई ऊंचाई पर पहुंचाने वाले रतन टाटा ने एक बार कहा था कि 'हम लोग इंसान हैं, कोई कंप्यूटर नहीं। इसलिए जीवन का मजा लीजिए। इसे हमेशा गंभीर मत बनाइए।' उनके ये विचार किसी भी इंसान को न सिर्फ जीवन के वास्तविक यथार्थ से परिचित कराएंगे, बल्कि जीवन को कैसे जिएं यह भी सिखाएंगे।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की कहानी कहता सिनेमा

कालजयी फिल्मकार सत्यजीत रे ने लोगों को एकसूत्र में बांधने की सिनेमा की शक्ति के सार को पकड़ते हुए कहा था, 'सिनेमा एक सार्वभौमिक भाषा बोलता है।' अपनी व्यापक भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता के साथ भारतीय सिनेमा देश के हर कोने के लोगों को एक साथ लाता है। चाहे वह तमिल फिल्म हो या हिंदी की अति लोकप्रिय फिल्म या फिर विशुद्ध मराठी फिल्म, सिनेमा हमारे बीच की खाई को पाटते और हमें 'सभी मतभेदों के बावजूद हम एक हैं' की याद दिलाते हुए अपनेपन की गहरी भावना को बढ़ावा देता है। भारतीय सिनेमा की सार्वभौमिकता क्षेत्रीय एवं भाषाई सीमाओं के परे जाने की इसकी क्षमता में निहित है, जो इसे राष्ट्रीय एकता की एक मजबूत शक्ति बनाती है। राज कपूर की 'श्री 420' जैसी शास्त्रीय फिल्म से लेकर मणिरत्नम की 'रोजा' तक भारतीय फिल्में भावनाओं की भाषा बोलती हैं, जिसे हर कोई समझता है। 'श्री 420' की गूंज जहां सभी भाषाओं में सुनाई दी, वहीं 'रोजा' को देशव्यापी प्रशंसा मिली। एमएस सथ्यू की 'गरम हवा' और बिमल राय की 'दो बीघा जमीन' जैसी फिल्में यह याद दिलाती हैं कि संघर्ष, प्रेम एवं जीत की कहानियां किसी सीमा से बंधी नहीं हैं और यह साबित करती हैं कि सिनेमा सही अर्थों में एक राष्ट्रीय बंधनकारी शक्ति है। यह सिनेमा की सार्वभौमिकता ही है, जिसका उत्सव राष्ट्रपति द्वारा सर्वश्रेष्ठ फिल्मों, निर्देशकों और अभिनेताओं को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से सम्मानित किए जाने के साथ हर वर्ष मनाया जाता है। यह चकाचौंध कर देने वाला कार्यक्रम नहीं है, जो आमतौर पर ऐसे अन्य अवसरों पर आयोजित किया जाता है। यह कहानी प्रस्तुत करने वालों की प्रतिभा की गरिमापूर्ण स्वीकृति है। यह भारत की भाषाओं और बोलियों की बहुरंगी विविधता की भी गरिमामयी पुष्टि है, जो इस महान राष्ट्र की एकता का जादुई तानाबाना बुनती है और लगभग डेढ़ अरब लोगों को सूत्रबद्ध करती है, जो सैकड़ों भाषाएं एवं बोलियां बोलते हैं। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की विशिष्टता इससे स्पष्ट होती है कि सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार पाने वालों में तिवा भाषा में बनी फिल्म 'सिकैसल' (काश सिर्फ पेड़ ही बोल पाते) शामिल है। यह तिवा लोगों की भाषा है, जो तिब्बती-बर्मी जातीय समूह के सदस्य हैं और जो पूर्वोत्तर भारत के के साथ बांग्लादेश एवं म्यांमार में रहते हैं।

एक्ट ईस्ट को साकार करता भारत, बढ़ रही देश की साख

एक्ट ईस्ट के दस वर्षों के दौरान एशिया-प्रशांत हिंद-प्रशांत में तब्दील हुआ है और इस परिवर्तन के प्रति चीन के अलावा अधिकतर देश सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। अब हिंद-प्रशांत की अवधारणा को सफल बनाने के लिए भारत को अपनी हिंद-प्रशांत सागर पहल (आईपीओआई) और अन्य देशों के हिंद-प्रशांत दृष्टिकोणों के बीच तालमेल बनाना होगा। भारत को अब यथार्थवाद और रणनीतिक सूझबूझ के सहारे आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21वें भारत-आसियान शिखर सम्मेलन और 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए लाओस जा रहे हैं। वैसे तो प्रति वर्ष इन दोनों सम्मेलनों में प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति आम है, लेकिन इस साल भारत की एक्ट ईस्ट नीति यानी कि पूर्वी छोर को साधने की पहल के दस वर्ष पूरे होने के चलते यह पड़ाव विशेष मायने रखता है।वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने 1992 से लागू लुक ईस्ट नीति को गतिशील और व्यापक बनाने के उद्देश्य से उसका नामांतरण एक्ट ईस्ट के रूप में किया। पिछले एक दशक के घटनाक्रम के आधार पर कहा जा सकता है कि यह कोई सतही बदलाव नहीं था।एक्ट ईस्ट के तहत भारत ने व्यापार, सैन्य और सांस्कृतिक कार्यक्षेत्रों में दक्षिण पूर्वी एशिया (आसियान के दस देशों), उत्तर पूर्वी एशिया (जापान, कोरिया और मंगोलिया) तथा ओशनिया (आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पैसिफिक द्वीपीय देश) के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाया है। इसी दौरान भारत ने अमेरिका के साथ अपनी सामरिक साझेदारी भी मजबूत की है, जिसका सीधा सरोकार पूर्वी एशिया के आर्थिक और भूराजनीतिक परिदृश्य से है।एक्ट ईस्ट के युग में भारत पूर्वी एशिया में गहरी पैठ बना चुका है। भारत कभी केवल दक्षिण एशियाई देश कहलाता था, लेकिन अब पूर्वी एशिया की नियति तय करने में बड़ी भूमिका निभा रहा है। जिस इलाके में कभी केवल चीन और अमेरिका को ही प्रमुख और निर्णायक शक्ति माना जाता था, आज वहां भारत की साख बढ़ी है और वह आगे और भी ज्यादा प्रभावी होने वाली है।ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीट्यूट नामक शोध संस्थान ने 2024 के एशिया शक्ति सूचकांक में अमेरिका और चीन के बाद भारत को सबसे शक्तिशाली देश का दर्जा दिया है। यह बात पूर्वी एशिया के विभिन्न देशों से छिपी नहीं है कि उनके क्षेत्र में संतुलन कायम करने के लिए भारत अहम खिलाड़ी है। 2004 में सिंगापुर के तत्कालीन प्रधानमंत्री गोह चोक टोंग ने कहा था कि आसियान अगर हवाई जहाज का ढांचा है तो चीन उसका एक पंख है और भारत दूसरा पंख और इन दोनों पंखों के बगैर उड़ान नहीं भरी जा सकती।आज एक्ट ईस्ट के अंतर्गत भारत-आसियान द्विपक्षीय कारोबार 2014 की तुलना में दोगुना होकर 131 अरब डालर के स्तर पर पहुंच गया है। आसियान ने भारत को सामरिक साझेदार से ऊपर व्यापक सामरिक साझेदार का भी दर्जा दिया है। हालांकि पूर्वी एशियाई देशों को उम्मीद थी कि 2022 में हुए क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी यानी आरसेप समझौते में भारत भी शामिल होगा और उससे उन्हें भारत के विशाल बाजार में अधिक अवसर मिलेंगे।लेकिन, आसियान देशों के साथ भारत का व्यापार घाटा और उनके यहां चीन के भारी निवेश के कारण भारत ने उस समझौते से परहेज किया। दूसरी तरफ अमेरिका ने चीन से प्रतिस्पर्धा तेज करने के मकसद से 2022 में ही इंडो पैसिफिक आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ) बनाया था, जिसमें भारत संस्थापक सदस्य बना। आरसेप को ठुकराने की क्षतिपूर्ति आईपीईएफ द्वारा करना भारतीय विदेश नीति के लिए चुनौती है।अमेरिका के साथ भारत की बढ़ती नजदीकी पूर्वी एशिया को परस्पर आर्थिक फायदे की स्थिति में लाने के साथ-साथ क्षेत्रीय सुरक्षा में भी इजाफा करेगी। इस क्षेत्र में अमेरिका को अव्वल रक्षा सहभागी और चीन को प्राथमिक आर्थिक सहभागी माना गया है, पर चीन ने बीते दशक में विस्तारवादी व्यवहार और धमक से अपने से छोटे देशों को दहशत में डाल रखा है।आए दिन फिलीपींस, वियतनाम, इंडोनेशिया, ताइवान और जापान पर चीन क्षेत्रीय दावा करता है और सैन्य बल से उन पर हावी होने की चेष्टा करता है। ऐसे में भारत अकेले पूर्वी एशिया जैसे दूरस्थ एवं विस्तारित क्षेत्र में चीन का प्रतिरोध नहीं कर सकता। भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया ने क्वाड समूह को 2017 से पुनः सक्रिय किया है।क्वाड सैन्य गठबंधन नहीं है, लेकिन उसका लक्ष्य नियम और अंतरराष्ट्रीय विधि आधारित क्षेत्रीय व्यवस्था बनाना है। साफ शब्दों में क्वाड पूर्वी एशिया के चीन-केंद्रित होने के विरुद्ध खड़ा है। अमेरिका, ब्रिटेन और आस्ट्रेलिया के मध्य घोषित आकस गठबंधन और अमेरिका, जापान, आस्ट्रेलिया और फिलीपींस के मध्य स्क्वाड का भी भारत ने समर्थन किया है। इन नए समूहों के साथ मिल-जुलकर भूराजनीतिक संतुलन बनाने में भारत का ही हित है। हालांकि ऐसे गुटों के साथ सहयोग का यह मतलब नहीं है कि भारत केवल अमेरिका और उसके मित्रों पर ही पूरी तरह निर्भर रहेगा।लुक ईस्ट की तुलना में एक्ट ईस्ट नीति में भारत ने रक्षा के मुद्दे को अधिक उभारा है और हिंद-प्रशांत में नए त्रिकोणीय समीकरणों का सृजन किया है। इसी के मद्देनजर भारत-इंडोनेशिया-आस्ट्रेलिया, भारत-फ्रांस-आस्ट्रेलिया और भारत-सिंगापुर-थाइलैंड जैसे उपयोगी संयोजन कुछ वर्षों से क्रियाशील हुए हैं। इसी कड़ी में अगर भारत-जापान-दक्षिण कोरिया और भारत-वियतनाम-इंडोनेशिया के भी त्रिकोणीय गुट बन जाएं तो भारत न सिर्फ हिंद महासागर में सुरक्षा प्रदाता के रूप में रहेगा, बल्कि समूचे हिंद-प्रशांत का नेतृत्व भी कर सकेगा।

ADHUNIK TUTORIALS
" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th
(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .
Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

रावण दहन के साथ हुई असत्य पर सत्य की विजय

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी सेक्टर 46 के ग्राउंड में रामलीला शनिवार को रावण दहन का कार्यक्रम जहां धूमधाम से किया गया वहीं रामलीला देखने आए लोगों और रामलीला के आयोजकों को मुख्य अतिथियों ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय सचिव भाजपा सुरेंद्र सिंह नागर,सी एम् डी प्रिया गोल्ड मनोज अग्रवाल ने दशहरा पर्व की रामलीला देखने आए सभी लोगों को बधाई दी। इस दौरान राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में प्रत्येक वर्ष दशहरा का पर धूमधाम से मनाया जाता है इस दिन भगवान राम ने सत्य के रास्ते पर चलकर कठिनाइयों को झेलते हुए विजय प्राप्त की । जबकि रावण एक बलशाली होने के कारण उसकी मौत का कारण उसका अहंकार वह घमंड तथा अपने भाई पर अत्याचार आदि करने का कारण बना और जिसकी मुक्ति राम के हाथों लिखी थी। इस दौरान मुख्य अतिथियों ने तीर चला कर सर्वप्रथम मेघनाथ के पुतले का दहन और इसके बाद कुंभकरण के पुतले का दहन, फिर रावण के पुतले का दहन किया गया जिसमें जमकर अस्तिस बाजी की इस अवसर पर नोएडा महानगर भाजपा के अध्यक्ष मनोज गुप्ता, नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल, पूर्व अध्यक्ष नोएडा प्राधिकरण देवदत्त शर्मा की भी मौजूदगी रही। इस अवसर पर रामलीला आयोजन समिति के अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने आए हुए मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया। वही 10 दिन की रामलीला में सहयोग देने वाले श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के सदस्य एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और पुलिस ,प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी यो का आभार प्रकट किया वहीं रामलीला देखने आने वाले भक्तों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर आयोजक समिति के वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन , वाइस चेयरमैन पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल , महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील कुमार सिंघल, पंडित कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता , गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव , अशोक गोयल, विकास बंसल , संदीप अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, प्रदीप अग्रवाल,सी ए मनोज अग्रवाल,अनुज गुप्ता, मुकेश गुप्ता, अभिषेक जैन, प्रदीप गुप्ता, पीयूष द्विवेदी, शरद कुमार सिंह, सी ए राजीव जैन, राहुल गुप्ता , तेजेंद्र मलिक, सौरभ अग्रवाल, रोहिणी नगर, डॉक्टर मनोज अग्रवाल का रामलीला में विशेष सहयोग रहा।

महाकुंभ से पहले संतों की शीर्ष संस्था में घमासान, राम जन्मभूमि के ट्रस्टी ने पलटी मारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। महंत दिनेंद्र दास शुक्रवार को निरंजनी अखाड़े के महंत रवींद्र पुरी की अगुवाई वाली अखाड़ा परिषद को दिए समर्थन पत्र से मुकर गए। उनका कहना है कि रवींद्र पुरी और हरि गिरि के पक्ष में जारी किया गया समर्थन पत्र उनसे धोखे में लिखवाया गया था। उन्होंने उस समर्थन पत्र को निरस्त कर नए सिरे से निर्मोही अखाड़े के सचिव राजेंद्र दास के नेतृत्व में ही महाकुंभ कराने की घोषणा कर दी है। महाकुंभ से पहले साधु-संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद दोनों धड़ों में वर्चस्व को लेकर विवाद गहरा गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य और अखिल भारतीय श्रीपंच रामानंदीय निर्मोही अखाड़े (अयोध्या बैठक) के महंत दिनेंद्र दास शुक्रवार को निरंजनी अखाड़े के महंत रवींद्र पुरी की अगुवाई वाली अखाड़ा परिषद को दिए समर्थन पत्र से मुकर गए। उनका कहना है कि रवींद्र पुरी और हरि गिरि के पक्ष में जारी किया गया समर्थन पत्र उनसे धोखे में लिखवाया गया था। उन्होंने उस समर्थन पत्र को निरस्त कर नए सिरे से निर्मोही अखाड़े के सचिव राजेंद्र दास के नेतृत्व में ही महाकुंभ कराने की घोषणा कर दी है। इससे अखाड़ा परिषद को लेकर स्थिति असहज हो गई है। अखिल भारतीय श्रीपंच रामानंदीय निर्मोही अखाड़े के महंत दिनेंद्र दास ने अखाड़ा परिषद को अपने अखाड़े की ओर से दिए समर्थन से पलटी मार दी है। महाकुंभ की तैयारी के लिए

छह दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुई अखाड़ा परिषद की बैठक के दौरान महंत रवींद्र पुरी (निरंजनी) और महंत हरि गिरि (जूना) के नेतृत्व में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया था। साथ इन दोनों संतों के नेतृत्व वाली अखाड़ा परिषद को ही सही ठहराते उसे अपना पूर्ण रूपेण समर्थन करने का एलान किया था। इतना ही नहीं महाकुंभ की बैठकों के लिए उन्होंने खुद अपना नाम भी प्रस्तावित किया था। लेकिन, छह दिन बाद ही उन्होंने दूसरा समर्थन पत्र जारी कर चौंका दिया है। शुक्रवार को जारी समर्थन पत्र में महंत दिनेंद्र दास ने कहा कि महंत राजेंद्र दास (जगन्नाथ मंदिर अहमदाबाद) अखिल भारतीय श्रीपंच निर्मोही अखाड़ा के अध्यक्ष और अखाड़ा परिषद के महामंत्री हैं महाकुंभ मेला महंत राजेंद्र दास की ही देखरेख में होगा। इनके नेतृत्व में ही महाकुंभ की बैठकों का निष्पादन और अन्य कार्य होंगे। मैं इनका पूर्ण समर्थन करता हूं और पूर्व में दिए गए समर्थन पत्र को निरस्त कर चुका हूं दिनेंद्र दास ने अमर उजाला को फोन पर बताया कि हनुमान गढ़ी के एक मेरे विश्वासपात्र बुजुर्ग संत को लेकर कुछ लोग मेरे पास आए थे और रवींद्र पुरी (निरंजनी) के समर्थन में पत्र लिखवा लिया था।

बॉलीवुड/टैली मसाला

दूसरे दिन भी बेदम साबित हुई 'जिगरा' 'विक्की विद्या' का भी नहीं दिखा कमाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सिनेमाघरों में इस हफ्ते कई कई बहुप्रतीक्षित फिल्मों ने दस्तक दी। रजनीकांत की

वेट्टैयन का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। वहीं, आलिया भट्ट की जिगरा और राजकुमार राव की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर देखने के बाद लोग दोनों ही फिल्मों के लिए काफी ज्यादा उत्सुक थे। हालांकि, ये तीनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी हैं। इसके अलावा देवरा की भी कमाई की रफ्तार काफी धीमी है। आइए जानते हैं कि शनिवार को किस फिल्म ने टिकट खिड़की पर कैसा प्रदर्शन किया। आलिया भट्ट की गिनती हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में होती है। अब तक उन्होंने कई फिल्मों में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। हाल ही में उनकी फिल्म जिगरा रिलीज हुई है, जिसमें वह एक्शन अवतार में नजर आई हैं। फिल्म में उनके साथ वेदांग रैना ने भी अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। पहले दिन जिगरा ने चार करोड़ 55 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म की कमाई में थोड़ा सुधार देखने को मिला। शनिवार को फिल्म ने छह करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 11.15 करोड़ रुपये हो गई है। फिल्म की कमाई के ये आंकड़े साल 2019 में आई राजी से भी काफी कम है। मेघना गुलजार की फिल्म ने दो दिन में् 18.83 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। स्त्री 2 के बाद राजकुमार राव को अपनी नई फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से काफी ज्यादा उम्मीदें थीं। हालांकि, फिल्म के कलेक्शन के आंकड़े निराशाजनक हैं। पहले दिन इस फिल्म ने पांच करोड़ 25 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे दिन फिल्म ने छह करोड़ 75 लाख रुपये बटोरे हैं। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 12 करोड़ रुपये हो गई है।फिल्म वेट्टैयन का भूमिका निभाई है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म भी अच्छा कलेक्शन करती नजर नहीं आ रही है। गुरुवार को फिल्म ने 31.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। शुक्रवार को इस फिल्म ने महज 24 करोड़ रुपये बटोरे। वहीं, शनिवार को फिल्म का कलेक्शन 26.1 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही वेट्टैयन की कुल कमाई 81.8 करोड़ रुपये हो गई है। जूनियर एनटीआर की देवरा भी बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार के साथ आगे बढ़ रही है। फिल्म में सैफ अली खान और जान्हवी कपूर भी मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 215.6 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 45.25 करोड़ रुपये की कमाई की। 16वें दिन फिल्म ने पांच करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 268.6 करोड़ रुपये हो गया है।

सिंघम अगेन की टीम ने रामलीला मैदान पर किया रावण दहन, देखें तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन इस साल दिवाली (1 नवंबर) पर रिलीज होने वाली है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे देखकर फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं। इन

दिनों इस फिल्म की हर तरह चर्चाएं चल रही हैं। इस समय अजय देवगन और करीना कपूर खान समेत फिल्म के कई सितारे सिंघम अगेन का जमकर प्रचार कर रहे हैं। इस बीच दशहरे के मौके पर अजय देवगन फिल्म की अभिनेत्री करीना कपूर और निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ दिल्ली में रावण दहन करते हुए नजर आए।इंस्टाग्राम पर एक पपराजी की ओर से पोस्ट किए गए वीडियो में अजय देवगन को भगवान हनुमान की सुनहरे रंग की गदा अपने हाथों में पकड़े हुए देखा जा सकता है। इस कार्यक्रम में उनके साथ करीना कपूर और रोहित शेट्टी भी मौजूद थे, जिन्हें इस वीडियो में देखा जा सकता है। तीनों ही सितारों को इस मौके पर पारंपरिक परिधान पहने हुए देखा जा सकता हैं। अजय ने काले रंग का बंदगला पहना था, जबकि करीना बैंगनी रंग के कढ़ाई वाले लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। रोहित ने इस खास मौके के लिए काले रंग की शेरवानी चुनी थी।क्लिप में अजय, करीना और रोहित को मंच पर धनुष-बाण उठाते हुए देखा जा सकता है। सिंघम अगेन की बात करें तो फिल्म में अजय देवगन और करीना कपूर खान के अलावा दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, जैकी श्रॉफ, रणवीर सिंह, टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार जैसे सितारे नजर आने वाले हैं।बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का मुकाबला कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 से है। दोनों ही फेंचाइजी के फैंस को इन फिल्मों का बेसब्री से इंतजार है। भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन के साथ तृप्ति डिमरी, विद्या बालन और माधुरी दीक्षित नजर आने वाली हैं।

बाबा सिद्दीकी की मौत की खबर सुनकर सलमान खान ने रद्द की शूटिंग, लीलावती अस्पताल के लिए हुए रवाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। खबरों के मुताबिक, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के दुखद निधन की खबर सुनने के बाद अभिनेता सलमान खान ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस की आज की शूटिंग बीच में ही रद्द कर दी है।एनसीपी के नेता बाबा सिद्दीकी नहीं रहे। शनिवार रात

अज्ञात हमलावरों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने उनके बेटे के दफ्तर पर फायरिंग की थी, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाबा सिद्दीकी एक ऐसे नेता रहे, जिनका मुंबई की सियासत से लेकर बॉलीवुड तक दबदबा रहा है, उनकी इफ्तार पार्टी में बॉलीवुड हस्तियों का जमावड़ा लगता था। शाहरुख खान और सलमान खान के बीच दोबारा दोस्ती कराने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। ऐसे में खबर है कि बाबा सिद्दीकी की मौत की खबर सुनकर सलमान खान ने अपने बिग बॉस 18 की शूटिंग को बीच में ही रोक दिया है खबरों के मुताबिक, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के दुखद निधन की खबर सुनने के बाद अभिनेता सलमान खान ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस की आज की शूटिंग बीच में ही रद्द कर दी है। सिद्दीकी के साथ करीबी रिश्ता रखने वाले सलमान खान ने तुरंत शूटिंग रोक दी और कथित तौर पर सेट से मुंबई के लीलावती अस्पताल जा रहे हैं। बता दें कि सलमान खान इन दिनों अपने टीवी रिएलिटी शो बिग बॉस 18 की शूटिंग में व्यस्त हैंयह खबर आज मुंबई में बाबा सिद्दीकी को गोली लगने की चौंकाने वाली घटना के बाद आई है, जिसके कारण उनकी असामयिक मृत्यु हो गई। इस घटना से फिल्म और राजनीतिक जगत सदमे में है और कई प्रमुख हस्तियों के उनके अंतिम दर्शन करने की उम्मीद है। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टियों को लेकर अक्सर चर्चा रहती थी। उनकी इफ्तार पार्टियों में बड़े-बड़े फिल्मी सितारे और हस्तियां शामिल होती थीं। इसके अलावा बाबा सिद्दीकी का सलमान खान के साथ गहरा जुड़ाव रहा था। वह समाज सेवा के कामों में सलमान खान के साथ नजर आते थे। खबरों के मुताबिक, महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के दुखद निधन की खबर सुनने के बाद अभिनेता सलमान खान ने लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस की आज की शूटिंग बीच में ही रद्द कर दी है।

बाबा सिद्दीकी के निधन की खबर से सदमे में सितारे, संजय दत्त समेत लीलावती अस्पताल पहुंचे ये स्टार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अजीत पवार गुट के वरिष्ठ नेता बाबा सिद्दीकी (66) की शनिवार को मुंबई के बांद्रा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, घटना रात करीब साढ़े नौ बजे उनके बेटे जीशान के ऑफिस के पास हुई। जीशान बांद्रा ईस्ट से मौजूदा विधायक हैं। घटना के तुरंत बाद बाबा सिद्दीकी को लीलावती अस्पताल में ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टर उनकी जान नहीं बचा सके। जानकारी के अनुसार, सिद्दीकी पर तीन गोलियां चलाई गईं, जिनमें से एक गोली उनके सीने में जा लगी। बाबा सिद्दीकी का मनोरंजन जगत की हस्तियों से भी गहरा जुड़ाव था। वह सलमान खान के बेहद करीबी थे। इतना ही नहीं वर्षों की दुश्मनी के बाद सिद्दीकी ने ही सलमान खान और शाहरुख खान की दोस्ती कराई थी। इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही सितारे लीलावती अस्पताल का रुख कर रहे हैं। साथ ही कुछ सेलेब्स उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं- बाबा सिद्दीकी के निधन की जानकारी मिलते ही अभिनेता संजय दत्त ने लीलावती अस्पताल का रुख किया। काले रंग का कुर्ता पजामा पहने संजू बाबा के चेहरे पर गहरा दुख देखा गया। अस्पताल पहुंचने वाले सितारों में संजय दत्त नंबर वन रहे। बाबा सिद्दीकी के निधन की सूचना मिलते ही अभिनेता जहीर इकबाल के पिता इकबाल रतनसी भी लीलावती अस्पताल पहुंचे। अस्पताल के बाहर एक के बाद एक सितारों के पहुंचने का सिलसिला जारी है। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी अपने बिजनेसमैन पति राज कुंद्रा के साथ लीलावती अस्पताल पहुंची हैं। इस दौरान अस्पताल के बाहर इकट्ठा हुई भारी भीड़ भी वीडियो में देखी जा सकती है।

पर्दे पर अमिताभ बच्चन समेत कई सितारों की बनीं मां, महज 15 साल की उम्र में हो गई थी शादी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड की मशहूर दिवंगत अभिनेत्री निरूपा रॉय की आज पुण्यतिथि है। फिल्मी दुनिया में मां और देवी का किरदार निभा कर मशहूर हुईं अभिनेत्री का वास्तविक नाम कोकिला बेन है। उन्होंने सत्तर और अस्सी के दशक में लगातार कई फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से दर्शकों के बीच अपनी अमिट छाप छोड़ी है। निरूपा रॉय ने बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन के साथ कई फिल्मों में नजर आई हैं, जिनमें उन्होंने अभिनेता की मां का किरदार निभाया। पर्दे पर मां का किरदार निभा कर ख्याति हासलि करने वाली अभिनेत्री की पंद्रह साल की उम्र में ही शादी हो गई थी। 04 जनवरी 1931 को गुजरात में जन्मी निरूपा रॉय ने महज चौथी कक्षा तक ही पढ़ाई की थी। बहुत कम उम्र में उनके पिता ने अभिनेत्री की शादी कमल रॉय से करा दी थी। उनके पति का सपना था कि वो अभिनेता बनें, इस वजह से वह साल 1945 में अपनी पत्नी के साथ मुंबई आ गए। इस दौरान वह लगातार ऑडिशन देते रहते। एक

बार गुजराती फिल्म के ऑडिशन के लिए वह अपनी पत्नी को भी साथ लेकर चले गए और वहां से निरूपा रॉय के अभिनय करियर की शुरुआत हुई। अभिनेत्री का इस ऑडिशन में चयन हो गए और इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक कई फिल्में कीं। निरूपा रॉय ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत गुजराती फिल्म 'गणसुंदरी' से की। इसके बाद उन्होंने 'हर हर महादेव' में त्रिलोक कपूर के साथ पार्वती देवी की भूमिका निभाई। इस भूमिका के बाद उन्हें देवी की तरह सम्मान मिलने लगा और इस बीच उन्होंने कई अन्य पौराणिक किरदार भी निभाए। उनकी पहली हिंदी फिल्म साल 1949 में प्रदर्शित हुई 'हमारी मंजिल' थी। अभिनेत्री ने फिल्म 'मुनीम जी' से मां का किरदार निभाना शुरू किया। वह इस फिल्म में देवानंद की मां बनी थीं। 1953 में 'दो बीघा जमीन' से उनके लिए सफलता की नए अवसर खुल गए। अभिनेत्री को ज्यादातर भूमिकाएं मां के किरदार में ही मिलीं। साल 1975 में रिलीज हुई यश चोपड़ा की 'दीवार' में वह अमिताभ बच्चन और शशि कपूर की मां के किरदार में नजर आईं। ये फिल्म उनके करियर में एक मील का पत्थर साबित हुई। निरूपा रॉय को मुख्य अभिनेत्री से ज्यादा अमिताभ बच्चन की मां के रोल से लोकप्रियता मिली। एक समय में वह बॉलीवुड की मां के रूप में पहचानी जाने लगीं। उन्हें पचास के दशक में देवी माना जाता था और फिर सत्तर और अस्सी के दशक में उन्होंने मां के इतने किरदार निभाए की, उन्हें मां की उपाधि दी जाने लगी। अभिनेत्री द्वारा निभाए गए मां के किरदारों को दर्शकों से काफी ज्यादा सराहना मिली। अभिनेत्री ने अपने करियर में 250 से ज्यादा फिल्मों में काम किया और उन्हें इस दौरान तीन बार सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। वह फिल्मों में ज्यादा दुखी और परेशानियों से घिरी मां की भूमिका में नजर आईं और कई बड़े अभिनेताओं की मां का किरदार निभाया। अभिनेत्री ने कई फिल्मों में मां का किरदार निभाया। 'दीवार' के बाद वह 'खून पसीना', 'इंकलाब', 'अमर अकबर एंथोनी', 'सुहाग', 'गिरफ्तार', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'मर्द' और 'गंगा-यमुना-सरस्वती' आदि कई फिल्मों में मां के किरदार में नजर आईं। निरूपा रॉय ने अमिताभ बच्चन से लेकर शशि कपूर, जितेंद्र जैसे कई अभिनेताओं की मां का रोल निभाया। साल 1999 में आई फिल्म 'लाल बादशाह' में वह आखिरी बार मां के किरदार में दिखाई पड़ी। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और निरूपा रॉय दोनों आखिरी बार मां-बेटे के रोल में दिखे थे। साल 2004 में निरूपा रॉय को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 72 वर्ष की आयु में 13 अक्टूबर 2004 को दिल का दौरा पड़ने से उनकी मौत हो गई थी।

बोनी कपूर ने बेटी खुशी के साथ किया 'श्रीदेवी कपूर चौक' का अनावरण, शबाना आजमी भी रहीं मौजूद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। इस साल मई में, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी के सम्मान में मुंबई में एक जंक्शन का नाम बदलने के निर्णय की घोषणा की। विजयदशमी के अवसर पर बोनी कपूर और खुशी कपूर ने जंक्शन का उद्घाटन किया। इस साल मई में, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी के सम्मान में मुंबई में एक जंक्शन का नाम बदलने के निर्णय की घोषणा की। विजयदशमी के अवसर पर बोनी कपूर और खुशी कपूर ने जंक्शन का उद्घाटन किया। यह मुंबई के प्रमुख स्थान, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स में स्थित है। श्रीदेवी लोखंडवाला के आलीशान ग्रीन एकर्स टावर में रहती थीं इसलिए, वहां के जंक्शन का नाम उसके नाम पर 'श्रीदेवी कपूर चौक' रखा गया है। दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी के पति बोनी कपूर अपनी छोटी बेटी खुशी कपूर के साथ थे। इस दौरान शबाना आजमी भी वहां मौजूद रहीं। जान्हवी कपूर ने अपने शूटिंग शेड्यूल के कारण उद्घाटन समारोह में हिस्सा नहीं लिया। बोनी ने नागरिक अधिकारियों की उपस्थिति में स्मारक का अनावरण किया।24 फरवरी, 2018 को श्रीदेवी के अप्रत्याशित निधन से फिल्म इंडस्ट्री और उनके प्रशंसकों को तगड़ा झटका लगा। उनके निधन के बाद भी उनकी विरासत उनके प्रशंसकों के जीवन में बनी हुई है, और उनकी यादें श्रद्धांजलि के रूप में जीवित हैं। बीएमसी ने जंक्शन का नाम 'श्रीदेवी कपूर चौक' रखा है। श्रीदेवी के जीवन पर एक बायोपिक की अफवाहें भी सामने आई हैं। हालांकि, उनके पति बोनी कपूर ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। एक इंटरव्यू में बोनी कपूर ने कहा, 'वह बेहद निजी इंसान थीं और उनकी जिंदगी निजी ही रहनी चाहिए। मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी होगा। जब तक मैं जीवित हूं, मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।'पिछले कुछ महीनों में बोनी कपूर में जबर्दस्त शारीरिक बदलाव आया है। अगस्त में फिट और स्वस्थ दिखने वाली एक तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'बाल घने हो रहे हैं, मैं बेहतर दिख रही हूं, 14 किलो वजन कम किया है और अभी 8 और वजन कम करना है। मेरी प्रेरणा मेरी जान हैं, उनकी कला मेरे पीछे है, उनके विचार हमेशा मेरे साथ हैं। वह हर वक्त मेरे साथ रहती हैं।

करण जौहर से लेकर राजामौली तक जब आलिया भट्ट के अभिनय के मुरीद हुए ये निर्देशक खूब की तारीफ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। आलिया भट्ट इन दिनों अपनी फिल्म 'जिगरा' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह वेदांग रैना के साथ नजर आ रही हैं, जो भाई और बहन के भावनात्मक रिश्ते पर आधारित फिल्म है। फिल्म को दर्शकों और आलोचकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। हालांकि, आलिया ने हर बार अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। एक्टर्स से लेकर डायरेक्टर्स तक ने आलिया के अभिनय की भी तारीफ की है। तो आइए जानते हैं अपने ट्विटर अकाउंट पर सुजॉय घोष ने लिखा आपने जिगरा का ट्रेलर देखा न? आलिया भट्ट को इस अवतार में देखकर काफी अच्छा महसूस हुआ। निर्देशक सुजॉय घोष की ओर से आलिया की तारीफ को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया है।करण जौहर ने प्यार से आलिया को अपनी पहली संतान कहा है। साथ ही उन्हें एक बेहतरीन कलाकार बताया। उन्होंने कहा, 'हे भगवान, वह बेहद ही शानदार हैं और मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वह इतनी बड़ी कलाकार कैसे बन गई।' करण ने आगे कहा कि ठस्टूडेंट ऑफ द ईयरठ में अपनी शुरुआत करने के बाद से आलिया इंडस्ट्री में दिन व दिन आगे की और बढ़ती जा रही हैं। अभिनेत्री ने अपने अभिनय से इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बना ली है। इंडिया टुडे से बातचीत करते हुए महेश भट्ट ने कहा कि 'उड़ता पंजाब' में आलिया को आदिवासी लड़की के किरदार में देखकर वो दंग रह गए थे। उन्हें समय ही नहीं आ रहा था कि मुंबई के जुहू में पली बढ़ी एक लड़की छत्तीसगढ़ी आदिवासी के लहजे में कैसे बात कर सकती है। राजामौली ने कहा, मैं वास्तव में आलिया को पसंद करता हूं. मैं उनकी एक्टिंग स्किल के लिए उन्हें काफी मानता हूं. मैं वास्तव में उनके साथ फिर से काम करना चाहता हूं और मुझे यकीन है कि वह भी मेरे बारे भी यही बात कहती होंगी. हम दोनों ने बतौर एक्टर और डायरेक्टर कनेक्ट किया. हां, ये सच है कि'' में उनके लिए मेरे पास कोई बड़ा रोल नहीं था, कहानी ही ऐसी थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।